सांध्य दैनिक

भारत मत

Web- www.bharatmatepaper.com

ग्वालियर ■ झांसी ■ भोपाल से एक साथ प्रकाशित

ग्वालियर, मंगलवार 03 जून 2025 ज्येष्ठ शुक्लपक्ष-8, संवत 2082, वर्ष-30 अंक-85 कुल पृष्ठ-8

मूल्य-₹ 2.00

Email- editorbharatmat@gmail.com

मौसम

ग्वालियर	भोपाल
अधि. 34.0	अधि. 31.0
न्यून. 25.0	न्यून. 22.0

सिनेमा@पेज-07

दिल्ली के अस्पतालों में तैयारियां शुरू

देश में कोरोना से 4 दिन में 31 मौतें: एक्टिव केस 4 हजार पार, महाराष्ट्र-केरल में 50% केस

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 4026 पहुंच गई है। इनमें से 50 फीसदी मामले केरल और महाराष्ट्र में हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1416 एक्टिव केस हैं। वहीं, महाराष्ट्र से 494 मामले सामने आए हैं। अब तक देशभर में 2700 मरीज ठीक भी हुए हैं। कोरोना से अब तक 38 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से 31 की मौत बीते 4 दिन में हुई हैं। महाराष्ट्र में सोमवार को एक 70 साल और एक 73 साल की महिला की जान चली गई। राज्य में सबसे ज्यादा 10 मौतें हुई हैं। 24 घंटे में केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और गुजरात में भी 1-1 मौत हुई है। लगातार बढ़ते केसों के बीच दिल्ली के आरएमएल, सफदरजंग समेत अन्य अस्पतालों ने तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि, डॉक्टरों का कहना है कि कोरोना के मामले बढ़ना कोई चिंता की बात नहीं है। किसी भी मरीज को कोई गंभीर समस्या नहीं हो रही है। सभी में सामान्य लक्षण हैं। आरएमएल अस्पताल में 9 बेड का आइसोलेशन वार्ड तैयार किया गया है। हाईकोर्ट ने कहा- कोविड की अगली महामारी अभी खत्म नहीं हुई दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को कहा- कोविड की अगली महामारी अभी खत्म नहीं हुई है, बल्कि यह अभी भी एक्टिव है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से सैंपल कलेक्शन, सैंटर और ट्रांसपोर्ट पॉलिसी को लेकर की गई तैयारियों

की जानकारी मांगी है। कोर्ट ने कहा कि 30 मई 2023 को हुई बैठक के बाद जो भी निर्णय लिए गए, उन्हें लागू करने में अगर कोई खालीपन है तो यह गंभीर मामला है। जस्टिस गिरीश कथपालिया ने कहा कि यह मानकर चलना चाहिए कि जरूरी कदम और प्रोटोकॉल तय किए जा चुके होंगे, लेकिन संबंधित अधिकारियों को इसे रिकॉर्ड पर लाना चाहिए। केंद्र सरकार ने कहा- कोरोना से निपटने के लिए तैयारियां पूरी केंद्रीय स्वास्थ्य और आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा- स्वास्थ्य विभाग और आयुष मंत्रालय पूरी तरह से सतर्क हैं। सभी राज्यों के हालात पर नजर रख रहे हैं। हमने संबंधित सचिवों और मंत्रियों से बातचीत की है। उन्होंने आगे कहा कि पिछली कोविड लहरों के दौरान बने ऑक्सीजन प्लांट, ICU बेड जैसी चीजों की समीक्षा हो चुकी है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां जारी हैं। मिजोरम में 7 महीने बाद कोविड का पहला केस मिला मिजोरम में 30 मई को 2 लोगों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में इस तरह का आखिरी मामला सामने आने के 7 महीने बाद कोविड के केस मिले। मिजोरम में कोविड-19 का आखिरी मामला अक्टूबर 2024 में सामने आया था, उस दौरान राज्य में 73 लोग वायरस से संक्रमित हुए थे।

नॉर्थईस्ट में बाढ़ से हाहाकार, करीब 6 लाख लोग प्रभावित; पीएम मोदी ने फोन पर ली हालात की जानकारी

असम में बाढ़-बारिश से 11 मौतें:बिहार में आंधी-तूफान से सात की जान गई, मप्र सहित 20 राज्यों बारिश का अलर्ट

गुवाहाटी/नई दिल्ली, एजेंसी

देश के पूर्वोत्तर राज्यों में 29 मई को मानसून ने दस्तक दी थी। 5 दिन बीतने के बाद भी मानसून वहीं ठहरा हुआ है। इसके चलते मणिपुर, असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम और सिक्किम में तेज बारिश हो रही है। आज मप्र-राजस्थान समेत 20 राज्यों में बारिश का अलर्ट है। असम में 22 जिलों के 1254 गांवों के 5.35 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। बाढ़-लैंडस्लाइड में अब तक 11 लोगों की मौत हुई है। 15 नदियां उफान पर हैं। सड़क, रेल और बोट सर्विस प्रभावित है। कुल 165 राहत शिविरों में 31 हजार 212 लोग ठहराए गए हैं। उत्तरी सिक्किम के लाचेंग-चुंगथांग कस्बों में लैंडस्लाइड के कारण फंसे 1678 टूरिस्ट्स रेस्क्यू किए गए। 100 से ज्यादा अभी भी यहां फंसे हैं। मंगन जिले में बाढ़ को आपदा घोषित किया गया है। 31 मई की शाम जिले के छातेन में मिलिट्री कैंप पर लैंडस्लाइड में 3 जवानों की मौत हुई थी। लापता 6 जवानों की तलाश जारी है। इधर, बिहार के सीवान में सोमवार को आंधी-बारिश के बाद दीवार-पेड़ गिरने से अलग-अलग

पूर्वोत्तर राज्यों में हालात

त्रिपुरा: बाढ़ के हालात में सुधार हुआ है। नदियां खतरे के निशान से नीचे हैं। राज्य के बाढ़ प्रभावित जिलों में 66 राहत शिविर खोले गए हैं, यहां 2926 परिवारों को 10800 से ज्यादा लोग मौजूद हैं। पश्चिमी त्रिपुरा जिले में सबसे अधिक ज्यादा 50 राहत शिविर हैं। राज्य में 219 घर बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। राज्य के 5 जिलों में आज ऑरेंज अलर्ट जारी है।

अरुणाचल प्रदेश: एयरफोर्स ने सोमवार को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। प्रदेश के निचली घाटी दिबांग में बोमजीर नदी में फंसे 14 व्यक्तियों को बचाया गया। वायुसेना के मुताबिक असम और अरुणाचल प्रदेश में एमआई-17 हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बाढ़ग्रस्त इलाकों से लोगों को निकाला जा रहा है।

मणिपुर: बाढ़ से 56,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से 10,477 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। सोमवार को इंफाल ईस्ट में एक व्यक्ति नदी में बह जाने के बाद लापता हो गया। प्रभावित क्षेत्रों से 2,913 लोगों को निकाला गया है।

मेघालय: राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड, कीचड़ और चट्टान गिरने की घटनाएं लगातार हो रही हैं। इसके कारण राजधानी आइजोल में मंगलवार को लगातार चौथे दिन सभी स्कूल बंद रहे। आइजोल में मंगलवार सुबह भी भारी बारिश हुई।

इलाकों में 2 महिलाओं समेत 7 लोगों की मौत हो गई। जयपुर में भी दीवार गिरने से एक महिला की जान चली गई। वहीं, मध्य प्रदेश के 38 जिलों में आज आंधी-बारिश का अलर्ट है।

राजस्थान: 31 जिलों में आंधी-बरसात का अलर्ट, जयपुर में फार्म-हाउस की दीवार गिरी, महिला की मौत: राजस्थान में सोमवार को वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय हो गया। इस सिस्टम का असर मंगलवार को ज्यादा रहेगा। मंगलवार को प्रदेश के 21 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, 10 जिलों में यलो अलर्ट है। 4, 5 और 6 जून को भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, सोमवार को जयपुर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, भरतपुर, झुंझुनूं और श्रीगंगानगर में दोपहर बाद बारिश हुई।

मध्य प्रदेश: 40 से 60Km/घंटा रहेगी आंधी की रफ्तार, ग्वालियर-चंबल में सबसे ज्यादा असर, भोपाल-इंदौर में भी आंधी-बारिश का अलर्ट: मध्य प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर जारी है। मई के बाद जून में भी अधिकतर जिलों में बारिश हो रही है। सोमवार को भोपाल, इंदौर, रतलाम-धार समेत कई जिलों में मौसम बदला रहा। मंगलवार को भी ऐसा ही मौसम रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, ग्वालियर-चंबल के 8 जिलों में आंधी की रफ्तार 60Km प्रतिघंटा तक रहेगी। वहीं, भोपाल, इंदौर-उज्जैन समेत 38 जिलों में भी आंधी-बारिश का अलर्ट है।

बिहार: बिहार के 6 जिलों में आज हल्की बारिश के आसार हैं। इन इलाकों में अगले 24 घंटों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बीते 24 घंटे में सीवान, छपरा, सहरसा और पूर्णिया में तेज हवा के साथ आंधी चली और तेज बारिश भी हुई।

दिल्ली में I.N.D.I.A ब्लॉक की आज बैठक

ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष सत्र की मांग

200 से ज्यादा सांसदों ने पीएम को लेटर लिखा

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए विपक्षी पार्टियों ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग तेज कर दी है। दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में मंगलवार को I.N.D.I.A ब्लॉक के नेताओं की बैठक होगी। बैठक के बाद दोपहर करीब 12.30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, विशेष सत्र की मांग को लेकर लोकसभा के 200 से ज्यादा सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे लेटर पर साइन किए हैं। बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह लेटर जारी किया जा सकता है। कांग्रेस की तरफ से सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा बैठक में शामिल होंगे। ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के खिलाफ भारत का पक्ष दुनिया के सामने रखने के लिए केंद्र सरकार ने 7 ऑल पार्टी डेलिगेशन को वर्ल्ड टूर पर भेजा है। इस हफ्ते के अंत तक सभी डेलिगेशन वापस भारत लौट जाएंगे। विपक्ष उनके लौटने के बाद अगले हफ्ते विशेष सत्र में इस मुद्दे पर बहस की मांग कर रहा है। इससे पहले, राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के सांसद मनोज कुमार झा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेटर लिखा था। अपने लेटर में, झा ने कहा कि भारत के लोगों को लगता है कि उन्हें अंधेरे में रखा जा रहा है और वे सरकार के फैसलों और उनके असर पर जवाब पाने के हकदार हैं। भाजपा सांसद ने लेटर में लिखा है, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब तक कम से कम बारह बार भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाने का क्रेडिट ले चुके हैं। भारत सरकार अब तक विशेष सत्र बुलाने से इनकार करती रही है।

वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन के लिए पोर्टल लॉन्च करेगी सरकार: 6 जून को लॉन्च होगा उम्मीद पोर्टल

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार 6 जून को उम्मीद पोर्टल लॉन्च करने जा रही है। इसका मकसद वक्फ संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। उम्मीद का पूरा नाम है- यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी और डेवलपमेंट। यह एक सेंट्रल पोर्टल होगा, जिस पर देशभर की वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, पोर्टल लॉन्च होने के छह महीने के भीतर सभी वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर करना अनिवार्य होगा। इस पर संपत्तियों का पूरा विवरण देना होगा, जैसे- लंबाई, चौड़ाई और जियो टैग की गई लोकेशन। अगर किसी संपत्ति का नाम किसी महिला के नाम पर दर्ज है, तो उसे वक्फ संपत्ति घोषित नहीं किया

जा सकेगा। रजिस्ट्रेशन के लिए दो महीने का अतिरिक्त समय दिया जा सकता है रजिस्ट्रेशन का काम संबंधित राज्य वक्फ बोर्ड करेंगे। अगर किसी वजह से तकनीकी या अन्य कारणों से समय पर रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया, तो 1 से 2 महीने की अतिरिक्त मोहलत दी जा सकती है। लेकिन अगर फिर भी संपत्ति रजिस्टर्ड नहीं होती, तो उसे विवादित मानते हुए वक्फ ट्रिब्यूनल के पास भेजा जाएगा। वक्फ संपत्तियों से मिलने वाले फायदों का अहम मकसद महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों को मदद देना रहेगा। यह पोर्टल हाल ही में पास हुए वक्फ (संशोधन) बिल, 2025 के तहत लॉन्च किया जा रहा है। यह बिल संसद में बहस के बाद पास हुआ था और 5 अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसकी मंजूरी दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 22 मई को वक्फ बिल पर फैसला सुरक्षित रखा था 22 मई को सुप्रीम कोर्ट में वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की वैधता को चुनौती देनी वाली याचिकाओं सुनवाई खत्म हुई। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को सुरक्षित रखा था। याचिकाकर्ताओं ने कानून को मुसलमानों के अधिकारों के खिलाफ बताया है और अंतरिम रोक लगाने की मांग की है। उधर, केंद्र सरकार ने कानून के पक्ष में दलीलें रखीं। आखिरी दिन बहस सरकार की उस दलील के आसपास रही, जिसमें कहा कि गया कि वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, लेकिन यह धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। इसलिए यह मौलिक अधिकार नहीं है। वक्फ को इस्लाम से अलग एक परोपकारी दान के रूप में देखा जाए या इसे धर्म का अभिन्न हिस्सा माना जाए।

राहुल गांधी गाड़ी के सामने आए कार्यकर्ता, पीएसी की बैठक में नहीं पहुंचे नकुलनाथ; सीएम बोले-दादी को पुष्पांजलि में जूते नहीं उतारे

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भोपाल स्थित पीसीसी दफ्तर में कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) की बैठक ले रहे हैं। इसमें नकुलनाथ को छोड़कर अन्य मेंबर मौजूद हैं। इससे पहले एयरपोर्ट से पीसीसी दफ्तर के रास्ते में कुछ कार्यकर्ताओं ने उनकी गाड़ी को रोक लिया था। उन्होंने राहुल गांधी के नारे लगाए। मौके पर मौजूद पुलिस ने उन्हें हटाकर रास्ता साफ कराया, तब राहुल की गाड़ी आगे बढ़ी। यहां धक्कामुक्की में कुछ कार्यकर्ता सड़क पर गिर भी गए। राहुल करीब 6 घंटे भोपाल में रहेंगे। वे कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में लगातार तीन बैठकें लेंगे। दोपहर बाद रवीन्द्र भवन में जिलाध्यक्षों और ब्लॉक अध्यक्षों के अधिवेशन को संबोधित करेंगे। एमपी में राहुल का यह एक

दिवसीय दौरा पूरी तरह संगठनात्मक है। पूरा फोकस मौजूदा स्थिति समझकर आगे पार्टी के रिकंस्ट्रक्शन पर रहेगा। राहुल का यह दौरा इसलिए भी खास है क्योंकि 3 दिन पहले यानी 31 मई को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल के जम्बूरी मैदान में महिला महासम्मेलन को संबोधित किया था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राहुल गांधी के दौरे पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अपनी दादी इंदिरा गांधी को पुष्पांजलि देते हुए जूते नहीं उतारे। ये हमारी संस्कृति के विरुद्ध है। उनको थोड़ा ध्यान रखना चाहिए।

सावित्री बाई फुले की तस्वीर लेकर पीसीसी दफ्तर पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता: रायसेन के भोजपुर से आए कांग्रेस कार्यकर्ता परेश नागर भारत की पहली महिला शिक्षक सावित्री बाई फुले की तस्वीर लेकर पीसीसी दफ्तर पहुंचे। उन्होंने कार की सनरूफ से खड़े होकर राहुल गांधी के समर्थन में नारे लगाए।

रतलाम से आए 80 वर्षीय भागीरथ परमार, बोले- इंदिरा ने सदस्य बनाया था : 80 साल के कांग्रेस कार्यकर्ता भागीरथ परमार खास तौर पर राहुल गांधी से मिलने भोपाल आए हैं। उन्होंने कहा- राहुल की दादी इंदिरा गांधी ने मुझे कांग्रेस का सदस्य बनाया था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राहुल गांधी ने अपनी दादी इंदिरा गांधी को पुष्पांजलि देते हुए जूते नहीं उतारे। ये थोड़ा जंचा नहीं।

10 जून को मुलाकात संभव; पहला डेलिगेशन लौटा, बाकी छह 8 जून तक लौटेंगे

ऑपरेशन सिंदूर- विदेश गए डेलिगेशन से मिलेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख दुनिया को बताने गए डेलिगेशन ग्रुप्स से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते मुलाकात कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीएम मोदी सभी 7 डेलिगेशन ग्रुप से 9 या 10 जून को मिलेंगे। इस दौरान डेलिगेशन अपने दौरे की रिपोर्ट प्रधानमंत्री को देंगे। भाजपा के बैजयंत पांडा के नेतृत्व वाला डेलिगेशन आज मंगलवार को भारत लौट आया है। इस ग्रुप में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, फंगनन कोन्याक और रेखा शर्मा,

AIMIM सांसद असदुद्दीन ओवैसी, सतनाम सिंह संधू, गुलाम नबी आजाद और पूर्व विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला शामिल हैं। इन्होंने सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया 4 देशों की यात्रा की। बाकी छह डेलिगेशन 8 जून तक विदेश दौरे से वापसी करेंगे। केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर का मकसद दुनिया को बताने के लिए देश के 59 सांसदों को 33 देश भेजा। 59 सांसद को 7 सर्वदलीय टीमों (डेलिगेशन) में बांटा गया। 7 टीमों के साथ 8 पूर्व राजनयिक भी हैं।

59 सांसद ने दुनिया को 5 संदेश दिए

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस: इसमें बताएंगे कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकी गुटों और उनके ढांचों के खिलाफ था। आतंकी अड्डों को नपी-तुली कार्रवाई में निशाना बनाया गया। पाक सेना ने इसे खुद के खिलाफ हमला माना और पलटवार किया।

पाक आतंक का समर्थक : सांसद कुछ सबूत लेकर जा रहे हैं, जिनमें वो बताएंगे कि पहलगाम हमले में पाक समर्थित आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) की भूमिका थी। इससे पहले हुए हमलों का भी पूरा चिट्ठा सांसद ले जा रहे हैं।

भारत जिम्मेदार और संयमित : भारत ने सैन्य कार्रवाई में भी जिम्मेदारी और संयम का परिचय दिया। यह सुनिश्चित किया कि पाक के किसी निर्दोष नागरिक की जान न जाए। पाक ने कार्रवाई रोकने का जब आग्रह किया तो भारत ने उसे तत्परता से स्वीकारा।

आतंक के खिलाफ विश्व एकजुट हो : सांसद इन देशों से आतंकवाद के खिलाफ खुलकर आवाज उठाने और इससे निपटने के लिए सहयोग व समर्थन भी मांगेंगे। अपील करेंगे कि भारत-पाक के विवाद को आतंकवाद के खिलाफ युद्ध के तौर पर देखें।

पीएम ने वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई, तब ट्रेन में थी

यूट्यूबर ज्योति पाकिस्तान जाने से पहले-बाद में काशी गई

नई दिल्ली, एजेंसी

यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को NIA काशी लेकर आएगी। अभी तक की जांच में ज्योति के पाकिस्तान और काशी के बीच मूवमेंट का चौंकाने वाला ट्रेंड सामने आया है। 2022 के बाद ज्योति 4 बार पाकिस्तान गई, लेकिन इस विजिट से पहले या बाद में वह काशी जरूर गई। ज्योति ने इसके वीडियो अपने चैनल ट्रैवल विद जो पर पोस्ट किए हैं। ज्योति काशी की विजिट बार-बार क्यों कर

रही थी? क्या किसी के कहने पर चुनिंदा स्पॉट के वीडियो बनाकर पोस्ट किए गए? इन सवालों के जवाब जानने NIA वाराणसी पहुंची। गिरफ्तारी के बाद एजेंसी ने ज्योति को हिसार की सेंट्रल जेल के बैरक नंबर दो में रखा है। दरअसल, ज्योति का परिवार भारत-पाक बंटवारे में पाकिस्तान से संयुक्त पंजाब के फरीदकोट में आकर बसा था। यहां 5 महीने किराए के मकान में रहने के बाद ये परिवार हिसार आ गया था। ज्योति के दादा और ताऊ-चाचा हिसार में भी दो जगह किराए पर रहे। कुछ साल पहले न्यू अग्रसेन कॉलोनी में ज्योति के पिता ने 55 गज का घर बनाया था।

राजा भभूत सिंह की स्मृति में 3 जून को पचमढ़ी में होगी मंत्रिपरिषद की बैठक

जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को सामने लाने के लिए की जा रही विशेष पहल : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के %विरासत भी और विकास भी% के संकल्प की पूर्ति के लिए मध्य प्रदेश सरकार संकल्पित है। पहले लोकमाता देवी अहिल्याबाई के 300वें जयंती वर्ष में इंदौर और अब क्रांतिवीर राजा भभूत सिंह की स्मृति में मंगलवार 3 जून को पचमढ़ी में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित की जा रही है। इन ऐतिहासिक स्थानों पर कैबिनेट करने के पीछे विरासत के संरक्षण के साथ विकास की भावना है। युवा देशभक्त राजा भभूत सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तात्या टोपे के मुख्य सहयोगी के रूप में सतपुड़ा की गोद में 1857 की सशस्त्र क्रांति का सूत्रपात किया था। वे 1860 तक अंग्रेजों के छक्के छुड़ाते रहे। राज्य सरकार पचमढ़ी में कैबिनेट कर महान स्वाधीनता सेनानी राजा भभूत सिंह के राष्ट्रहित में बलिदान का पुण्य स्मरण और उन्हें श्रद्धांजलि देने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजा भभूत सिंह छापामार युद्ध नीति में पारंगत होने के कारण नर्मदांचल के शिवाजी कहलाते थे। उन्होंने आदिवासी समाज के साथ-साथ क्षेत्र के सभी वर्ग के लोगों को आंदोलन से जोड़ा था। वे सतपुड़ा के पहाड़ी मार्ग के चप्पे-चप्पे से वाकिफ थे, जबकि अंग्रेज इस क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों से परिचित नहीं थे। भभूत सिंह को पकड़ने के लिए ही ब्रिटिश सरकार को मद्रास इन्फेंटरी को बुलाना पड़ा था। दो साल के कड़े संघर्ष के बाद ब्रिटिश सेना राजा भभूत सिंह को गिरफ्तार कर पाई। राजा भभूत सिंह की वीरता के किस्से आज भी लोक मानस की चेतना में जीवंत हैं। पचमढ़ी में आज

का बोरी क्षेत्र भभूत सिंह जी की जागीर में ही आता था। चौरागढ़ महादेव की पहाड़ियों में राजा भभूत सिंह के दादा ठाकुर मोहन सिंह ने 1819-20 में अंग्रेजों के खिलाफ नागपुर के पराक्रमी पेशवा अप्पा साहेब भोंसले का हर तरह से सहयोग किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश राज्य के गठन के बाद वर्ष 1959 तक पचमढ़ी ग्रीष्मकालीन राजधानी रही और यहीं पर विधानसभा का सत्र हुआ करता था। अब हमारी सरकार ने इसी स्थान पर कैबिनेट बैठक करने का निर्णय लिया है। पचमढ़ी, प्राकृतिक सौंदर्य के साथ -साथ स्वतंत्रता के लिए जनजातीय समाज द्वारा दिए गए बलिदान की दृष्टि से भी एक प्रमुख स्थान है। अंग्रेजों से सशस्त्र संघर्ष में जनजातीय समुदाय ने अपनी जान की बाजी लगाकर न केवल 1857, बल्कि इसके पूर्ववर्ती काल में भी जल, जंगल और जमीन के लिए कुर्बानी दी। इस गौरवशाली इतिहास को सबके सामने लाने के लिए राज्य सरकार जनजातीय भाई-बहनों के साथ समाज के सभी वर्गों का ध्यान रख रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार प्रदेश के सभी क्षेत्रों में गरीब, किसान (अन्नदाता), युवा और नारी सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही है। प्रदेश की वन संपदा और घने जंगलों में टाइगर (बाघ) सहित वन्य जीवों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वन्य क्षेत्र के संरक्षण में जनजातीय समाज का सराहनीय योगदान रहा है।पचमढ़ी रोजगार और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र है। मंत्रिपरिषद की बैठक में पचमढ़ी क्षेत्र के विकास के लिए मंथन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विकास के मामले में पहले यहां कई तरह की पाबंदियां थीं, जिन्हें पिछली कैबिनेट में हटाने का कार्य किया गया है। पचमढ़ी एक बार पुन- अपने प्राकृतिक सौंदर्य के साथ गौरव प्राप्त करेगी। पचमढ़ी में कैबिनेट बैठक के बाद दूसरे चरण में विधायकों और सांसदों का प्रशिक्षण वर्ग आयोजित होगा।

बाबूजी सादगी और शुचिता के प्रतीक और सच्चे कर्मयोगी थे

भोपाल। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में सोमवार को मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री बाबूलाल गौर की जयंती पर पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, घुमंतु एवं अर्धद घुमंतु कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने स्व. बाबूलाल गौर की प्रतिमा पर श्रध्दा सुमन अर्पित किए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि आज का दिन राजनीति के क्षेत्र में सादगी और शुचिता के प्रतीक विनम्र, सहज और सरल व्यक्तित्व के धनी, आदर्श के केन्द्र बाबूजी पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री बाबूलाल गौर के आदर्शों पर चलने का संकल्प का दिन है। मैं उनकी ऐसी बेटी हूँ, जिसका मार्गदर्शन उन्होनें पल-पल पर किया। श्री गौर सच्चे जनसेवक और कर्मयोगी थे। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि महाविद्यालय में वर्तमान सत्र 2025-26 से, श्रेष्ठक्क पाठ्यक्रम, बी.ए. टूरिज्म इन हॉस्पिटिलिटी ऑपरेशन्स प्रारंभ हो रहा है। इसमें प्रवेशित विद्यार्थी को तृतीय वर्ष में को 8,000 रूपये प्रतिमाह स्टायपेंड की पात्रता होगी । उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग से महाविद्यालय परिसर में स्वीकृत मल्टीपर्पज हॉल के लिये 3 करोड़ 65 लाख रूपये की। आर्वटिन राशि को बढ़ाकर 10 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित किये जाने की अनुशंसा की है। श्रीमती गौर ने बाबूलाल गौर शोध समन्वय प्रकोष्ठ का उद्घाटन भी किया। इस शोध प्रकोष्ठ में शोध प्रबंध और श्री बाबूलाल गौर के जीवन पर आधारित बहुमूल्य साहित्य उपलब्ध है। इसी के साथ राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने महाविद्यालय में 21 लाख रूपये की राशि से नवनिर्मित कार पार्किंग शेड का लोकार्पण किया। उन्होंने महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण में भी किया।कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री बारेलाल अहिरवार ने किया। प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने बताया कि महाविद्यालय में श्री बाबूलाल गौर शोध समन्वय प्रकोष्ठ संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से राजनीति एवं समाज विज्ञान के विद्यार्थी श्री गौर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर पीएच.डी. कर सकते हैं। इस अवसर पर गोविन्दपुरा क्षेत्र के विभिन्न पार्षदगण, वरिष्ठ समाजसेवी, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों ने बाबूजी की प्रतिमा पर श्रध्दा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर नोबल मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल एवं कार्डियक सेंटर भोपाल तथा श्री साँई वेलनेस फिट जोन भोपाल द्वारा लगाये गये शिविर में कई लोगो ने अपने स्वास्थ्य का परीक्षण भी कराया। आज ही वरिष्ठ समाजसेवी श्री पच्छ खामरा जी को जनभागीदारी समिति का सदस्य मनोनीत किया गया।

एम्स भोपाल के डॉक्टरों ने राष्ट्रीय स्तर पर लहराया परचम, चित्रकूट में सद्गुरु कॉन्क्लेव 2025 में हुए सम्मानित

भोपाल ।एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में संस्थान निरंतर अकादमिक उत्कृष्टता और नवाचार के नए आयाम स्थापित कर रहा है। इसी क्रम में, सद्गुरु ग्रुप एवं ऑल इंडिया ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसायटी द्वारा भगवान श्रीराम की पावन भूमि चित्रकूट में आयोजित एक्यूटी - ए कॉन्फ्लुएंस ऑफ आइडियाज, सद्गुरु कॉन्क्लेव - 2025 में एम्स भोपाल के फैकल्टी एवं रेजिडेंट डॉक्टरों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। इस कार्यक्रम में द्वितीय वर्ष के अकादमिक

जूनियर रेजिडेंट्स डॉ. प्रत्युष एवं डॉ. एस्थर ने पेपर/पोस्टर प्रतियोगिता सत्र में रनर-अप का स्थान प्राप्त किया। उनके शोध विषय–प्रीसेनाइल मोतियाबिंद की व्यापकता, प्रकार एवं कारण बनने वाले जोखिम कारक और द टेल ऑफ डिसप्लेस्ड आईबॉल–ने चिकित्सा शोध के क्षेत्र में उनकी गंभीरता एवं गहन अध्ययन क्षमता को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया। उन्हें यह सम्मान दो पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त वरिष्ठ नेत्र चिकित्सकों एवं अन्य प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के कर-कमलों से प्रदान किया गया, जो उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक क्षण रहा। इसी अवसर पर, एम्स भोपाल की नेत्र रोग विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) भावना शर्मा को कॉर्निया एवं मोतियाबिंद के क्षेत्र में उनके वर्षों के विशिष्ट कार्य के लिए सद्गुरु सेवा मेडल से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें सद्गुरु ग्रुप द्वारा प्रदान किया गया, जो स्वयं में एक गौरवपूर्ण मान्यता है तथा चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित करता है। इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, ये उपलब्धियाँ एम्स भोपाल की अकादमिक गुणवत्ता, शोध के प्रति प्रतिबद्धता एवं मरीज-केन्द्रित दृष्टिकोण का प्रमाण हैं। हमारे रेजिडेंट डॉक्टरों और फैकल्टी को राष्ट्रीय मंच पर इस प्रकार की मान्यता मिलना न केवल संस्थान के लिए गर्व की बात है, बल्कि पूरे चिकित्सा समुदाय व आम जनता के लिए भी प्रेरणास्पद है।

देश,धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए दशोरा नागर समाज ने कई आहुतियां दीं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंदसौर में हुए मां कुलदेवी पूजन कार्यक्रम में वर्चुअली हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दशोरा नागर समाज ने देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए कई आहुतियां दीं है। समाज ने कठिनाइयों के बीच भी अपनी परंपराएं और पहचान बनाए रखी। व्यापार, व्यवसाय के साथ ही पूजा पाठ में शुद्धता और प्रक्रियाओं की सटीकता के साथ कर्म संपादित करना इस समाज की विशेषता रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मंदसौर में हुए समाज के मां कुलदेवी पूजन कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। दशोरा समाज प्रतिवर्ष ज्येष्ठ शुक्ल सप्तमी के दिन शिवना नदी में विराजित मां कुलदेवी की पूजन अर्चन करता है। मंदसौर में हुए कार्यक्रम में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, समाजजन, जनप्रतिनिधि तथा प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर भगवान हाटकेश्वर एवं मां कुलदेवी को नमन किया और उपस्थितजनों को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दशोरा समाज ने संस्कृति को सहेजने का काम किया और आक्रमणों के समय अपने धर्म को बचाए रखा। दशोरा समाज कलम का धनी होने के साथ-साथ भोजन एवं पकवान बनाने में भी निपुण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि यह उपलब्धि सभी बहनों के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने समाजजन से देश एवं समाज के विकास में सहभागी बनने का आव्हान किया।

संगठन सृजन से कांग्रेस को मिलेगा नया संबलः अरुण यादव

भोपाल। आज भोपाल में संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग आयोजित की गई। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ नेता अरुण यादव , पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा, कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक उपस्थित रहे और उन्होंने आगामी कार्यक्रम के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने नव सृजन अभियान को कांग्रेस के संगठनात्मक पुनर्गठन की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा÷ ÷यह अभियान मध्यप्रदेश में कांग्रेस को पुनर्गठित करने और जनमानस से गहरे जुड़ाव की दिशा में एक निर्णायक कदम है। आदरणीय राहुल गांधी जी के नेतृत्व में पार्टी एक बार फिर जनभावनाओं से जुड़ने और जमीनी स्तर पर मजबूत संगठन खड़ा करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह केवल सांगठनिक चर्चा नहीं, बल्कि कांग्रेस की आत्मा को फिर से जनआंदोलन से जोड़ने का प्रयास है।÷ पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा ने जानकारी दी कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी 3 जून 2025 को भोपाल पहुंचेंगे, जहाँ वे नव सृजन अभियान की शुरुआत करेंगे। उन्होंने राहुल गांधी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा ÷जातिगत जनगणना की मांग को राहुल गांधी जी ने जिस शिद्दत से उठाया, उससे देशभर में एक नई चेतना जागृत हुई। पहले तो मोदी जी ने इस मांग का कटाक्ष किया लेकिन अंततः उन्हें घुटने टेकने पड़े और इसे स्वीकार करना पड़ा। यह जीत उन वंचित वर्गों की है, जिन्हें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की प्रतीक्षा थी।÷

कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा÷

÷नव सृजन का अर्थ केवल एक नया संगठन नहीं, बल्कि विचार, संपर्क और संवाद के माध्यम से एक ऐसी वैचारिक राजनीति की स्थापना है जो जनता से जुड़ी हो और जमीनी सच्चाइयों को उजागर करने में सक्षम हो। यह अभियान उत्प्रेरक समूहों का निर्माण करेगा जो मैदान में सक्रिय रहकर भाजपा की झूठ और भ्रम की राजनीति का पर्दाफाश करेंगे।÷ तीनों नेताओं ने समस्त कांग्रेसजनों से इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी की अपील की और विश्वास जताया कि यह प्रयास कांग्रेस को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेगा।

जल की एक-एक बूंद बचाने का दिया जा रहा संदेश

मध्यप्रदेश सरकार का प्रण : सुरक्षित भविष्य के लिए जल संवर्धन और संरक्षण

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जल संरक्षण-संवर्धन के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा सवंर्धन अभियान का शुभारंभ 30 मार्च को किया था। पूरे प्रदेश में अभियान प्रारंभ से ही जन-आंदोलन बनकर आगे बढ़ा और उसके परिणाम भी सामने आने लगे हैं। पहली बारिश में ही अभियान में बनाए गए खेत तालाब लबालब हो गए। केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के ÷जल संचय, जनभागीदारी÷ अभियान में जल संचय के लिए खंडवा जिले को देश में प्रथम स्थान मिला है और राज्यों की श्रेणी में मध्यप्रदेश चौथे स्थान पर रहा है। खेत तालाबों में हो रहे जल संचय से किसानों को आवश्यकता के समय पर्याप्त जल उपलब्ध रहेगा, भूजल स्तर में वृद्धि होगी और खेत में मौसमी फसलों के साथ ही मछली पालन एवं तालाब के किनारों पर बागवानी का भी अवसर मिलेगा। वारा सिवनी में तुमाड़ी की श्रीमती सुनीता जैराम के खेत-तालाब बनाया था। करीब 6 फिट गहराई में बने खेत तालाब से सुनीता और उनके पति मिलकर मछली पालन के साथ ही खरीफ में गेहूं और रबी में धान की फसल ले रहे है। इससे उन्हें 1 लाख रुपये तक का मुनाफा हो रहा है। बन रहे नये खेत तालाब, पुराने कुओं, बावड़ियों और तालाबों का हो रहा जीर्णोद्धार शहडोल जिले में आगामी तीन माह तक जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नये तालाब बनाये जा रहे हैं, साथ ही तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार भी किया जा रहा है। नदियों को साफ-स्वच्छ एवं प्रवाहमान बनाए रखने के लिए भी कार्य किए जा रहे हैं। अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत पोड़ी, नवागांव, हर्री में नवीन खेत तालाब बनाए गए। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कटनी शहर की कटनी नदी के कटाए घाट में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जलकुंभी की सफाई का अभियान चलाया गया। जल संरक्षण के प्रति जन जागरूकता की अलख जगाने के लिए जल संरक्षण का प्रण लिया गया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और स्थानीय एनजीओ ने जन भागीदारी के साथ श्रमदान किया। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशानुसार नर्मदा जी के सीमावर्ती 16 जिलों, 51 विकासखंडों में जीवनदायनी माँ नर्मदा जी के जल को निर्मल तथा प्रवाह को अविरल बनाये रखने के लिए 'माँ नर्मदा सर्वेक्षण एवं जन जागरण यात्रा' का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 25 मई से प्रारंभ हुआ है और 05 जून 2025 तक चलेगा। डिंडोरी में यात्रा जिले के दक्षिण तट से 29 मई को भटनगर घाट पर माँ नर्मदा की स्वच्छता के लिए सामुदायिक श्रमदान और नर्मदा जी की आरती एवं नर्मदाष्टक के साथ ग्राम पंचायत मेड़ाखार विकासखण्ड करंजिया से प्रारंभ हुई है जो क्रमशः बरनई, रूसामाल, परसेलमाल, बुंदेला होते हुये गोरखपुर तक पहुंच गई है। पांढुर्णा जिले में विकासखंड सौंसर के घोगरीखापा में नवांकुर संस्था यूथ ऑफ सौंसर एसोसिएशन और म.प्र. जन अभियान ने स्थानीय निवासियों के सहयोग से साफ-सफाई कर जल संरक्षण के लिये ग्रामीणों को जागरूक किया।

कॉम्बिग गश्त के दौरान 284 फरार स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार कर 371 गुण्डा व हिस्ट्रीशीटरों को किया चेक

ग्वालियर । जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने व आदतन अपराधियों पर षिकंजा कसने के उद्देष्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह,भापुसे के निर्देष पर ग्वालियर जिले में बीती रात्रि शहर व देहात के थाना क्षेत्रों में देर रात तक कॉम्बिंग गष्त किया गया। इस दौरान अति0 पुलिस अधीक्षक(पूर्व/यातायात/अपराध) कृष्ण लालचंदानी, अति0 पुलिस अधीक्षक(पष्चिम) गजेन्द्र वर्धमान, अति0 पुलिस अधीक्षक(मध्य) श्रीमती सुमन गुर्जर, अति0 पुलिस अधीक्षक ग्रामीण निरंजन शर्मा एवं ग्वालियर पुलिस के समस्त राजपत्रित अधिकारियों द्वारा अपने-अपने अधीनस्थ थाना प्रभारियों के साथ मय पुलिस बल के ग्वालियर शहर एवं देहात क्षेत्र में कॉम्बिंग गष्त किया। कॉम्बिंग गष्त से पूर्व अनुभाग वार पुलिस बल को

अलग-अलग स्थानों पर एकत्रित किया जाकर राजपत्रित अधिकारियों द्वारा फोर्स को ब्रीफ किया गया, उसके बाद अलग-अलग क्षेत्रों में कॉम्बिंग गष्त के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा शहर में स्वयं कॉम्बिंग गष्त का जायजा लिया और पुलिस अधिकारियों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देषित किया गया। ग्वालियर पुलिस की कॉम्बिंग गष्त से जिले के बदमाषों में हडकंप देखने को मिला है। ग्वालियर पुलिस के अधिकारियों द्वारा अधीनस्थ थाना बल के साथ अपने-अपने क्षेत्र में पैदल गष्त किया गया। इस दौरान उनके द्वारा फरारी बदमाषों, वारंटियों, गुण्डों, हिस्ट्रीषीटर बदमाषों एवं जिला बदर के आरोपियों की उनके घरों पर चैकिंग के साथ ही बैंक एटीएम एवं होटल, लॉज, धर्मषाला, ढाबों को भी चेक किया। इस गष्त के लिये पुलिस अधिकारियों द्वारा टीमें बनाकर शहर व देहात क्षेत्रों में संवेदनषील इलाकों में भी गष्त की गई। कॉम्बिंग गष्त के दौरान पुलिस द्वारा संदिग्ध वाहनों तथा मुंह बांधे दो पहिया वाहन चालकों की विषेष तौर पर चेकिंग की गई। कॉम्बिग गश्त के दौरान पुलिस ने जिले में कुल 196 स्थाई वारंट, 88 गिरफ्तारी वारंट तामील कराये गये साथ ही 190 गुण्डा एवं 181 हिस्ट्रीषीटरों को चेक किया। कॉम्बिग गश्त के दौरान थाना पुरानी छावनी, एवं महाराजपुरा तथा बिजौली में अवैध शराब के 01-01 प्रकरण तथा सट्टा के थाना ग्वालियर, इन्दरगंज एवं माधौगंज में 01-01 प्रकरण दर्ज किये गये। थाना जनकगंज में अवैध हथियार के 02 प्रकरण दर्ज किये गये और देहात के विभिन्न थानों में 04 अन्य प्रकरणों में भी अलग-अलग कार्यवाही की गई हैं। कांबिग गष्त के दौरान पुलिस द्वारा की गई कार्यवाहियां क्षेत्र एचए गुण्डा स्थाई वारंटी गिरफ्तारी वारंटी सट्टा अवैध शराब अ व ै ध हथियार अन्य कॉम्बिंग गष्त के दौरान पुलिस द्वारा कई सक्रिय बदमाषों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई साथ ही गुण्डों एवं हिस्ट्रीषीटरों के रिकॉर्ड को अपडेट किया। शहर व देहात क्षेत्र की गली मौहल्लों में घूमकर पुलिस ने गुण्डे, बदमाषों की धरपकड़ की। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देष्य से यह कॉम्बिंग गष्त कराई गई। पुलिस टीमों द्वारा गुण्डों एवं बदमाषों तथा जिला बदर के आरोपियों के घर जाकर उनकी जानकारी ली गई, चैकिंग के दौरान प्रत्येक गुण्डा, बदमाष को चेतावनी भी दी गई कि यदि वह किसी भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है तो उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। जेल से रिहा होकर आये आरोपियों को भी चेक किया गया। अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देष्य से ग्वालियर पुलिस द्वारा की गई यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

पहले दिन पांचवी में 134 एवं आठवीं में 191 विद्यार्थी परीक्षा में हुए शामिल

पांचवी और आठवीं कक्षा की पुनः परीक्षा हुई शुरू

भितरवार।राज्य शिक्षा केंद्र, मध्य प्रदेश शासन द्वारा पांचवी एवं आठवीं के विद्यार्थियों के लिए सत्र 2024-25 के लिए निर्धारित की समय सारणी के अनुसार 2 जून सोमवार से पुनः परीक्षा शुरू कर दी गई है। जिसके चलते भितरवार ब्लॉक के 11 जन शिक्षा केंद्रों पर बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर सोमवार को पहले हिंदी भाषा विशिष्ट के प्रश्न पत्र में कक्षा पांचवी के 134 एवं आठवीं के 191 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी।

राज्य शिक्षा केंद्र व मध्य प्रदेश शासन द्वारा निश्चित टाइम टेबल के अनुसार सोमवार की सुबह 10ः00 बजे से दोपहर 12ः30 बजे तक परीक्षा का आयोजन किया गया। इस दौरान भितरवार जन शिक्षा केंद्र के

बनाए गए 11 परीक्षा केंद्रों पर कक्षा पांचवी के प्रथम भाषा हिंदी को लेकर आयोजित परीक्षा में 257 विद्यार्थियों में से 134 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। जिसमें पंजीकृत पुल 123 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार कक्षा आठवीं की पुनः परीक्षा में कल 337 विद्यार्थियों में से 191 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। जिसमें 146 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। इस दौरान भितरवार ब्लॉक में बनाए गए 11 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संपन्न हो जिसको लेकर जनपद शिक्षा केंद्र द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए इस दौरान कुछ परीक्षा केंद्रों पर बीआरसीसी नरहरि मिश्रा के निर्देश पर बीएसी मुकेश यादव एवं राजीव गुप्ता द्वारा निरीक्षण कर परीक्षा केंद्र प्रभारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए और परीक्षाओं का संचालन देखा।

असफल विद्यार्थियों को दोबारा मिल रहा है मौका

राज्य शिक्षा केंद्र एवं मध्य प्रदेश शासन माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा सोमवार से शुरू की गई परीक्षा के संबंध में बीआरसी नरहरि मिश्रा के द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि, विगत फरवरी मार्च महीने में वर्ष 2024 - 25 की कराई गई पांचवी और आठवीं की वार्षिक बोर्ड पैटर्न मूल्यांकन परीक्षा में न्यूनतम योग्यता अंक प्राप्त नहीं कर सके थे या किसी विशेष कारणवश परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो पाए थे। राज्य के शिक्षा केंद्र का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अगली कक्षा में प्रोन्नति से वंचित न रह जाए। इस परीक्षा के माध्यम से ऐसे विद्यार्थियों को अपनी शैक्षिक क्षमताओं को पुनः सिद्ध करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और वह अपने शैक्षणिक सफर को सुचारू रूप से आगे बढ़ा सकेंगे। वही श्री मिश्रा ने बताया कि परीक्षा के सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ कार्यालय द्वारा शिक्षा विभाग से जुड़े समस्त विकास खंड स्तरीय अधिकारियों, संकुल प्राचार्य तथा विद्यालय प्रमुख ऑन आदि को आवश्यक निर्देश दिए गए थे जिसके तहत परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा के दौरान पूर्ण अनुशासन, गोपनीयता और पारदर्शिता रहे साथ ही शांतिपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करने के साथ ही केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था, विद्यार्थियों के बैठने की उचित व्यवस्था, पेय, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता बनी रहे जिसको लेकर सभी तैयारियां पूर्व में ही कर ली गई थी। उक्त निर्देशों का पालन करते हुए परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है।

बरसात से पहले पूरा कराएँ सभी जल संरचनाओं का काम

प्रभारी जिला पंचायत सीईओ सत्यम ने बैठक लेकर दिए निर्देश

ग्वालियर। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में निर्माणाधीन जल संरचनाओं एवं पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार कार्य की समीक्षा की गई। सोमवार को जिला पंचायत के सभागार में आयोजित हुई बैठक में जिला पंचायत के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमार सत्यम ने जनपद पंचायतों के सीईओ एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अधिकारियों को बरसात से पूर्व गुणवत्ता के साथ सभी संरचनाओं का काम पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के प्रभारी अधिकारी तथा कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवाएं उपस्थित रहे। साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले की सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सहायक यंत्री, उपयंत्री तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी बैठक में शामिल हुए।

आखिर कौन का ट्रेलर हुआ रिलीज

ग्वालियर। एके एफ प्रोडक्शन की बहुचर्चित वेब सीरीज ।।आखिर कौन।। पारिवारिक ड्रामा सस्पेंस थ्रिलर मर्डर मिस्ट्री पर आधारित एक अनोखी प्रेम कथा का ट्रेलर 1 जून को ग्वालियर में रिलीज किया गया वेब सीरीज को निर्देशित किया बॉलीवुड के कुशल निर्देशक इकबाल अली, एवं आमिल खान की संयुक्त जोड़ी ने कथाकार आमिल खान की कथा पर पटकथा तैयार की अनिल गुप्ता ग्वालियरी ने वेब सीरीज को पिक्चराइज किया कुशल कैमरामैन के. एम. खान,ने फिल्म पोस्ट प्रोडक्शन का बेहतरीन काम किया आशिफ खान, ने, टाइटल सॉन्ग राइटर शरीफ कुरैशी, के गीत को कंपोज किया बॉलीवुड के प्रसिद्ध फिल्मी गीत

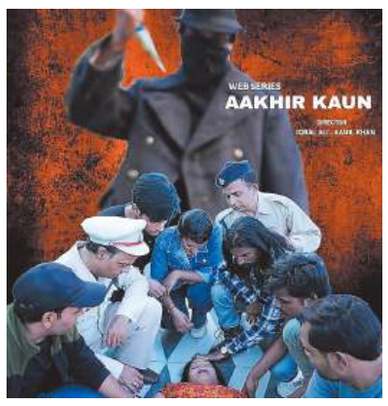

कंपोजर जिन्होंने कई टीवी सीरियल के गीत को कंपोज किया श्री अर्जुन सिंह जी ने इनके साथ ही मुंबई बॉलीवुड अभिनेता राघवेंद्र तिवारी, फीचर फिल्म घंटा चोरी हो गया ,अकबर बीरबल, ब्रज के गोपाल, टीवी सीरियल फैम के साथ बॉलीवुड एक्टर आरब तिवारी, रामानंद सागर प्रोडक्शन के टीवी सीरियल जय जय बजरंगबली, एवं बालाजी प्रोडक्शन के टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता,फैम व एक्टर रामनाथ सेन, मुंबई का भाई, अब तो जागो ,जैसी फिल्मों में अभिनय कर चुके एक्टर्स के साथ ग्वालियर चंबल संभाग के रंग मंच से जुड़े रंग कर्मियों को इस वेब सीरीज में काम करने का सुनहरा अवसर मिला जिसमें प्रमुख नाम हैं। काशिफ खान,(नायक) शिवानी परमार,(नायिका), जितेंद्र गुरु (खलनायक), बृजेश दौहरे, संतोष बाथम, जंडेल सिंह गुर्जर, संजय चौधरी, त्तिवेंद्र परमार, नरेंद्र सक्सेना, योगेंद्र सिंह तोमर, नीलम दौहरे, अनिल गुप्ता ग्वालियरी ,सोनी पाल, मधु सिंगल,ओमकार चौहान, राजपाल गौतम, संतोष बाथम, अनूप राजपूत ,विशाल बाथम, मोनू पाराशर,सौरभ भदकारिया, अब्दुल खान, विकास राजपूत, राहुल पडोरिया, अनीता राठौर, काजल सेन, वसुंधरा राय दास, क्रिस्टल गौतम मास्टर कबीर खान एवं आमिल खान (ग्वालियर) आदि कलाकारों ने भूमिका निभाई।

आपसी विवाद में फायर करने वाले दो आरोपियों को दो कट्टा व दो जिंदा राउंड सहित किया गिरफ्तार

थाना करहिया पुलिस की फरार आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही

भितरवार। अनुभाग भितरवार के अंतर्गत आने वाले करहिया थाना क्षेत्र के ग्राम सेहवई में विगत 28 मई को जान से मारने की नीयत से की गई अवैध कट्टे से फायरिंग के मामले में दर्ज रिपोर्ट के दो आरोपियों को करहिया पुलिस ने दो 315 बोर कट्टा एवं जो जिंदा राउंड के सहित 2 जून सोमवार को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

बता दे की आपसी विवाद के मामले के फरियादी बृजबिहारी रावत पुत्र मातादीन रावत उम्र 32 साल निवासी ग्राम सेहबई ने थाना करहिया में रिपोर्ट लेख कराई थी कि 28 मई को वह शादी में ग्राम पनिहार पूरे परिवार के साथ गया था, पनिहार में मुझसे एवं मेरे भाई सुनील का दीपू रावत निवासी ग्राम कंचनपुर, आकाश रावत निवासी ग्राम कंचनपुर, मनोज रावत निवासी ग्राम कंचनपुर से विवाद हुआ था। रात्रि में फरियादी अपने घर सेहबई वापस आ गया और उसी रात्रि में करीब 03 से 04 बजे के लगभग आकाश रावत व दीपू रावत हाथ में कट्टा लिये हुये व मनोज रावत उनके साथ में था यह तीनों लोग मेरे गांव सेहबई घर पर आकर मुझे मां बहन की गंदी-गंदी गालियां देने लगे और आकाश रावत व दीपू रावत ने कट्टा से फायर किये जो मेरे मकान में और सटर में लगे। उसके बाद यह तीनों लोग बोले कि आईन्दा हमारे बीच में पड़ा तो तुझे जान से खत्म कर देंगे। फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना करहिया में आरोपियों के खिलाफ अप0क्र0 54/25 धारा 296,351(2), 125,3(5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

उक्त घटना संज्ञान में आने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह (भापुसे) के द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री निरंजन शर्मा को थाना करहिया पुलिस की टीम बनाकर फरार

आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिये। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार एसडीओपी भितरवार जितेन्द्र नगाइच के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी करहिया उप निरी. देवेन्द्र लोधी के द्वारा थाना बल की टीम को उक्त प्रकरण के आरोपियों की तलाश में लगाया गया। दौराने विवेचना के 2 जून सोमवार को थाना प्रभारी करहिया को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि उक्त प्रकरण के दो आरोपी ग्राम करहिया- इटमा नहर की पुलिया के पास देखे गये हैं। उक्त सूचना पर पुलिस की टीम मुखबिर के बताये स्थान पर पहुंची जहां दो व्यक्ति खड़े दिखे, जिन्होने पुलिस टीम को देखकर मौके से भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस टीम द्वारा भाग रहे दोनों संदिग्धों को घेरकर पकड़ लिया गया। पूछताछ करने पर दोनों ने निवासी ग्राम कंचनपुर थाना डबरा देहात जिला ग्वालियर का रहने वाला बताया। पकड़े गये दोनों संदिग्धों की तलाश लेने पर उनके पास से उक्त घटना में प्रयुक्त 315 बोर के दो कट्टे तथा दो जिंदा राउण्ड जप्त किये गये। पूछताछ करने पर दोनों आरोपियों ने उक्त घटना कारित करना बताया। थाना करहिया पुलिस द्वारा उक्त दोनों आरोपियों को अप0क्र0 54/25 धारा 296,351(2), 125,3(5) बीएनएस इजाफा धारा 25/27 आर्म्स एक्ट में विधिवत गिरफ्तार किया जाकर अवैध हथियार के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है। उक्त कार्यवाही में सराहनीय भूमिका थाना प्रभारी करहिया उप निरी. देवेन्द्र लोधी, प्र.आर. राजकुमार खटीक, आरक्षक अरविंद रावत, आर. कुलदीप गुर्जर, आर. चालक रामगोपाल गुर्जर, महिला आरक्षक स्वदेश कुमारी, आरक्षक राजा भैया गुर्जर, आरक्षक दिनेश यादव की सराहनीय भूमिका रही।

शहर की सभी टंकियां समय पर भरें और नियमित रुप से सभी को पानी मिले: सभापति तोमर

ग्वालियर। शहर की सभी टंकियां समय पर भरें और नियमित रुप से सभी को पानी मिले। इसको लेकर व्यवस्थित योजना बनाकर कार्य करें। पेयजल प्रदाय को लेकर जहां से भी शिकायतें आ रहीं हैं उनका समयसीमा में निराकरण करें। उक्ताशय के निर्देश सभापति श्री मनोज तोमर ने जलप्रदाय विभाग की समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय, कार्यपालन यंत्री संजीव गुप्ता, आर के शुक्ला, आर के राव,

सहायक यंत्री एपीएस भदौरिया, प्रवीण दीक्षित, महेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, केसी अग्रवाल, शिशिर श्रीवास्तव, रामसेवक शाक्य, सुश्री शालिनी सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जलविहार स्थित एमआईसी बैठक कक्ष में आयोजित बैठक में सभापति मनोज तोमर ने जलप्रदाय की समीक्षा करते हुए कहा कि हमने शहर में प्रतिदिन पानी देने की बात कही है लेकिन कहीं प्रतिदिन पानी जा रहा है तथा कई स्थानों पर नहीं मिल पर रहा है, इसके लिए आवश्यक कार्ययोजना बनाकर कार्य करें जिससे गर्मियों में नागरिकों को समस्या न हो। सभापति श्री तोमर ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित इंजीनियर प्रतिदिन जलप्रदाय के दौरान क्षेत्र में घूमें, जिससे उन्हें वास्तविक स्थिति का पता लगे और जहां भी पानी नहीं पंहुचने की समस्या आ रही हैं उसका निराकरण कराएं। बैठक में सभापति श्री तोमर ने एडीबी, अमृत 1 एवं 15वें वित्त के तहत विभिन्न वार्डों में किए गए कार्यों की जानकारी मांगी। जिससे यह पता लगे कि कहां कार्य नहीं किए गए वहां कार्य कराने की आवश्यकता है। इसके साथ ही सभापति श्री तोमर ने जलप्रदाय से संबंधित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

डबरा शहर में यातायात को सुगम करने हेतु ओड-ईवन सिस्टम लागू कर दो शिफ्ट में ई रिक्सा किया संचालन

ग्वालियर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह,भापुसे के निर्देशन में ग्वालियर जिले में सडक सुरक्षा अभियान के तहत यातायात सुगम बनाने हेतु विभिन्न प्रयास किये जा रहे है। वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देषों के परिपालन में एसडीओपी डबरा श्री जितेन्द्र नगाइच के कुषल मार्गदर्षन में थाना प्रभारी डबरा शहर निरीक्षक यशवंत गोयल एवं चौकी प्रभारी यातायात श्री राघवेन्द्र सिंह जादौन के द्वारा आज दिनांक 02.06.2025 से डबरा शहर में चलने वाले ई रिक्सा को दो शिफटों में विभाजित कर ओड ईवन नम्बर दिये गये। ओड नम्बर के ई रिक्सा पर नीले रंग की कलर कोडिंग की गई जो कि रात्री 03.00 बजे से दोपहर 03.00 बजे तक व ईवन नम्बर को पीले रंग की कलर कोडिंग की गई जो दोपहर 03.00 बजे से रात्री 03.00 बजे तक संचालित होंगे। इसके लिये सभी ई रिक्सा चालकों को स्टेडियम परिषर डबरा मे एकत्रित कराया जाकर पुलिस के कर्मचारियो द्वारा उनके रजिस्ट्रेशन नम्बर, लायसेंस, इंश्योरेंस, आधार कार्ड आदि दस्तावेज एकत्रित कर डाटाबेस तैयार कराया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों ने सेवानिवृत हुए टीआई को दी भावभीनी विदाई

भितरवार के ग्रह ग्राम इकहरा पहुंचने पर किया जोरदार स्वागत

भितरवार। मुरैना की हरिजन थाने में पदस्थ निरीक्षक (टी आई) मलखान सिंह चौहान विगत 31 मई 2025 को पुलिस विभाग में अपनी सेवाएं देकर सेवानिवृत हुए तो पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों सहित सहकर्मियों और अन्य अधिनस्थ स्टाफ द्वारा उन्हें भावभीनी विदाई के समारोह पूर्वक आयोजित किए गए कार्यक्रम में उन्हें शॉल श्रीफल के साथ स्मृति चिन्ह देते हुए सम्मानित किया गया। इस दौरान श्री चौहान ने अपने इस विदाई समारोह कार्यक्रम के माध्यम से कहा कि पुलिस में भर्ती होने के बाद से मेरे मन मे लोगों की जन सेवा, सेवा भाव के रूप में करने का जज्बा पुलिस थाने के बाहर लगी पट्टिका पर लिखी ÷देशभक्ति जन सेवा÷की पंक्तियों से प्राप्त हुआ उसी को अंगीकार करके अपना सफल कार्यकाल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पूरा किया। श्री चौहान ने कहा कि समय-समय पर जरूरत पड़ने पर वरिष्ठ अधिकारियों ने जो मार्गदर्शन

दिया और दिशा दिखाई उसी के अनुसार कार्य किया इस लाइन में बहुत कुछ सीखने को और समझने को मिला। जो सीखने और समझने को मिला है वह मेरे जीवन के अंतिम समय तक काम आएगा। इस दौरान उपस्थित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी उनके सुनहरे और गरिमा मय कार्यकाल की सराहना की। इस दौरान सभी स्टाफ के लोगों ने अपने-अपने स्तर पर उनका स्वागत सम्मान करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। तो वही विदाई समारोह के बाद जैसे ही वह अपने ग्रह ग्राम इकहरा में परिवार जनों के बीच पहुंचे तो समूचे ग्राम वासियों एवं भितरवार एसडीओपी जितेंद्र नगाइच,थाना प्रभारी हितेंद्र राठौर,थाना प्रभारी नरवर के द्वारा पूरे गांव ने उनका अभूतपूर्व स्वागत किया गया।

संपादकीय

चिंता का सबब !

धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। वास्तव में धरती का तापमान का लगातार बढ़ना कहीं न कहीं गंभीर खतरों का संकेत दे रहा है। आज मानव की जीवनशैली लगातार बदलती चली जा रही है और मानवीय गतिविधियों के कारण, अंधाधुंध विकास, जंगलों की अंधाधुंध कटाई, शहरीकरण, औद्योगिकीकरण के कारण ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को लगातार बढ़ावा मिल रहा है जिससे नीले ग्रह पर खतरा मंडराने लगा है। एक जानकारी के अनुसार मानवीय जीवनशैली के कारण इस सदी के अंत तक धरती का औसत तापमान 2.7°C बढ़ जाएगा। वास्तव में धरती के तापमान के इतना बढ़ने का सीधा सा मतलब यह है कि इस सदी के अंत तक धरती के ग्लेशियरों की बस एक चौथाई बर्फ ही बची रहेगी तथा बाकी तीन चौथाई बर्फ खत्म हो जाएगी। कहना गलत नहीं होगा कि ग्लेशियर अब किताबों का ही हिस्सा बनकर रह जाएंगे। ग्लोबल वार्मिंग बढ़ने के कारण दुनिया के कई तटीय शहर डूब जाएंगे। यदि हम यहां आंकड़ों की बात करें तो भारत में मुंबई, चेन्नई, विशाखापट्टम जैसे कई तटीय शहरों का बड़ा इलाका करीब दो फुट तक पानी में डूब जाएगा। दरअसल यह खुलासा किसी और ने नहीं बल्कि दुनिया की प्रतिष्ठित पत्रिका साइंस में छपी एक ताज़ा रिसर्च में किया गया है। इस संदर्भ में ताज़ा उदाहरण स्विट्जरलैंड का है, जहां ऊंचे पहाड़ों से टूटे एक ग्लेशियर ने निचले इलाके में तबाही मचा दी। नीचे घाटी में बसे ब्लैटन गांव (नब्बे फीसदी गांव को) बर्च नाम के ग्लेशियर ने बर्बाद कर दिया। दरअसल,ग्लेशियरों के इस तरह टूटने के पीछे सबसे बड़ी वजह है धरती के औसत तापमान का बढ़ना। कहना ग़लत नहीं होगा कि तापमान में बढ़ोत्तरी भारी बारिश(अतिवृष्टि), तो कहीं सूखा(अनावृष्टि), कभी ग्लेशियरों की झीलों के फटने तो कभी बड़े तूफ़ानों जैसे अतिमौसमी बदलावों की शक्ल में हमारे सामने आ रहा है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि प्रतिष्ठित पत्रिका साइंस में छपी रिसर्च के मुताबिक दुनिया के ग्लेशियर मौजूदा अनुमान से कहीं ज्यादा तेज़ी से पिघल रहे हैं और इस सदी के अंत तक अगर धरती का औसत तापमान अगर 2.7°C और बढ़ा तो दुनिया में मौजूद ग्लेशियरों में सिर्फ़ 24% बर्फ़ ही बची रह जाएगी, जो कि एक बड़ा और गंभीर खतरा है। जानकारी के अनुसार ग्लेशियरों की 76% बर्फ पिघल चुकी होगी। पाठकों को बताता चलूं कि पेरिस समझौते में ये तय हुआ था, कि दुनिया के तापमान को पूर्व औद्योगिक तापमान से 1.5°C से ज़्यादा नहीं बढ़ने देना है, लेकिन आज विकसित देश ही कार्बन उत्सर्जन के अधिक जिम्मेदार हैं और कोई भी ग्लोबल वार्मिंग को कम करने को लेकर जिम्मेदार नजर नहीं आते। साइंस पत्रिका में छपी रिसर्च के मुताबिक अगर दुनिया का औसत तापमान 1.5°C तक ही बढ़ा तो भी ग्लेशियरों की 46% बर्फ़ पिघल जाएगी, सिर्फ़ 54% बर्फ़ ही बची रहेगी, यह बहुत ही चिंताजनक है, क्योंकि ग्लेशियर पानी के बड़े स्रोत होते हैं और जल ही जीवन है। शोध में सामने आया है कि अगर औसत तापमान बढ़ना बंद हो जाए और उतना ही रहे, जितना कि आज है, तो भी दुनिया के ग्लेशियरों की बर्फ़ 2020 के स्तर से 39% कम हो जाएगी। मतलब यह है कि आज भी तापमान कुछ कम नहीं है और यह नीले ग्रह को काफी नुकसान पहुंचा रहा है। शोध में पाया गया है कि यदि दुनिया का औसत तापमान 2°C बढ़ा तो स्कैंडिनेवियन देशों यानी नॉर्वे, स्वीडन और डेनमार्क के ग्लेशियरों की सारी बर्फ पिघल जाएगी। इतना ही नहीं, उत्तर अमेरिका की रॉकी पहाड़ियों, यूरोप के आल्प्स और आइसलैंड के ग्लेशियरों की क़रीब 90% बर्फ़ पिघल जाएगी। औसत तापमान में 2°C की बढ़ोतरी का भारी असर दक्षिण एशिया में हिंदूकुश हिमालय पर भी पड़ने की संभावनाएं जताई गई हैं। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि हिंदू कुश हिमालय का ग्लेशियर दो अरब लोगों का भरण-पोषण करने वाली नदियों को पानी देता है, लेकिन सदी के अंत तक ये अपनी 75 प्रतिशत बर्फ खो सकता है, जिससे नदियों का पानी भी सूख सकता है। यहां कहना ग़लत नहीं होगा कि अगर दुनिया के देश तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रोक पाते हैं (जैसा कि पेरिस समझौते में तय हुआ था), तो हिमालय और कॉकेशस पर्वत में ग्लेशियर की 40-45 प्रतिशत बर्फ बचाई जा सकती है।

कटाक्ष > हसन जैदी

भारत के विदेशी व स्वर्ण भंडार में भी बढ़ोतरी

किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ गुटों में बटती जा रही है जिसमें छोटी-छोटी बातों पर दो या अनेक देश टकरा जाते हैं, व युद्ध के आयामों तक पहुंच जाते हैं। हाल ही में हमने देखे थाईलैंड व कंबोडिया में कुछ घंटों का तनातनी युद्ध हुआ, जिसमें एक सैनिक शहीद हुआ तो वही भारत-पाकिस्तान,तालिबान- पाकिस्तान, साउथ व नॉर्थ कोरिया सहित अनेक देशों में आपसी टकराहट होते रहती है तो वहीं रूस-यूक्रेन हमास- इजरायल युद्ध लंबे समय से शुरू है,स्वाभाविक रूप से उनके पीछे उनके सदस्य देशों का ग्रुपशामिल होता है,जिससे युद्ध लंबाखींचता चला जाता है,जिसका सीधा- सीधा असर अर्थव्यवस्था और विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है, जो हर देश की जान होती है,यह दोनों अगर पूरी तरह से डाउन हो जाए तो वह देश गुलामी में डूबा समझो! इसलिए हर देश को अपनी अर्थव्यवस्था व विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत रखना जरूरी है। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि अभी हाल ही में आरबीआई ने कुछ आंकड़े जारी किए, जिसमें इस सप्ताह विदेशी मुद्रा कोषमें 6.99 अरब डॉलर कीबढ़ोतरी हो गई है। बता दें भारत, जापान को पछाड़कर पहले ही 4 नंबर की अर्थव्यवस्था पर पहुंच चुका है, ऐसे तेजी से तरक्की देख पूरी दुनियाँ हैरान है। परंतु मुझे यह बात समझ में नहीं आ रही है कि, हर क्षेत्र में इतनी तरक्की व जबरदस्त अर्थव्यवस्था में सुधार, मजबूत होते जा रहा है फिर भी हम खुशहाली, भूख,गरीबी जैसे अनेकों बुनियादी सुविधाओं वाले सूचकांकों में वैश्विक स्तरपर अति पिछड़े क्यों है? मैं इस आर्टिकल के माध्यम से माननीय पीएम महोदय को इस आर्टिकल के माध्यम से निवेदन करना चाहूंगा कि इससे रेखांकित कर स्वतः संज्ञान लेकर एक कमेटी या मंत्रालय का गठन कर इन सूचकांकों में भी रैंकिंग को कम से कम 1 से 20 की श्रेणी में लाने की तात्कालिक कार्यवाही कर, 2026 वर्ष के सूचकांकों में 1 से 20 तक की श्रेणी में लाने का विज़न सूचकांक श्रेणी 2026 बनाया जाए,चूँकि भारत की विदेशी मुद्रा भंडार ने बदला विश्व का सीन, हैरान हुआ पाकिस्तान, अमेरिका व देखता रह गया चीन! इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,वैश्विक स्तरपर भारतीय अर्थव्यवस्था,विदेशीमुद्रा भंडारण स्पेस,रक्षा क्षेत्रों में तेज़ी से ज़बरदस्त उछाल के बावजूद वैश्विक,खुशहाली,गरीबी, भूख सूचकांकों में दयनीय स्थिति को रेखांकित करना ज़रूरी हैं। साथियों बात अगर हम आरबीआई द्वारा हाल ही में जारी आंकड़ों में विदेशी मुद्रा भंडार इस वर्ष 6.99 अरब डॉलर बढ़कर 692.72 अरब डालर होने की करें तो,जानकारी देते हुए कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 23 मई को समाप्त सप्ताह में 6.99 अरब डॉलर बढ़कर 692.72 अरब डॉलर हो गया, इसके पहले 16 मई को समाप्त हुए सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.89 अरब डॉलर घटकर 685.73अरब डॉलर रह गया था,सितंबर, 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के लाइफ टाइम हाई पर पहुंच गया था, इसका मतलब है कि भारत को अब विदेशी मुद्रा भंडार को एक नया रिकॉर्ड बनाने के लिए 12 अरब डॉलर से ज्यादा की जरुरत है।आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 23 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख हिस्सा फॉरेन करेंसी असेट्स 45.16 लाख डॉलर बढ़कर 586.17 अरब डॉलर हो गईं, वहीं दूसरी ओर गोल्ड रिजर्व 2.37 अरब डॉलर बढ़कर 83.58 अरब डॉलर हो गया, भारत का एसडीआर 8.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.57 अरब डॉलर हो गया,केंद्रीय बैंकके आंकड़ो के अनुसार,आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास भारत का आरक्षित भंडार भी तीन करोड़ डॉलर बढ़कर 4.40 अरब डॉलर हो गया।पाक के फॉरिक्स रिजर्व में मामूली बढ़ोतरी चीन मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान केंद्रीय बैंक ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि स्टेट बैंक ऑफ पाक़ (एसबीपी) के पास मौजूद विदेशी मुद्रा भंडार में 70 मिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई है।एसबीपी ने कहा कि 23 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान बैंक का कुल विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 11.52 बिलियन डॉलर था, बयान में कहा गया कि वाणिज्यिक बैंकों के पास मौजूद शुद्ध विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 5.12 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया,एसबीपी ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि के दौरान दक्षिण एशियाई देश का कुल तरल विदेशी भंडार लगभग 16.64 बिलियन डॉलर था।भारत और पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा देखने को मिला है, अगर बात भारत के फॉरिक्स रिजर्व की करें तो उसमें रिकॉर्ड बढ़ोतरी देखने को मिली है,जबकि पाकिस्तान के फॉरिक्स रिजर्व में मामूली इजाफा देखने को मिला है। भारत और पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा देखने को मिला है। साथियों बात अगर हम इस सप्ताह स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.37 अरब डॉलर से बढ़कर 83.58 अरब डालर होने की करें तो, बीते सप्ताह अपने गोल्ड रिजर्व या स्वर्ण भंडार में भी बढ़ोतरी हुई है। रिजर्व बैंक के मुताबिक बीते 23 मई को अपने सोने के भंडार में $2.366 बिलियन कीबढ़ोतरी हुई। इससे एक सप्ताह पहले, यानी 16 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के गोल्ड रिजर्व में $5.121 बिलियन की तगड़ी कमी हुई थी। इसी के साथ अब अपना सोने का भंडार बढ़ कर यूएसडी 83.582बिलियन हो गया है। बीते सप्ताह अपने गोल्ड रिजर्व या स्वर्ण भंडार में भी बढ़ोतरी हुई है। रिजर्व बैंक के मुताबिक बीते 23 मई को अपने सोने के भंडार में $2.366 बिलियन की बढ़ोतरी हुई। इससे एक सप्ताह पहले, यानी 16 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के गोल्ड रिजर्व में $5. 121 बिलियन की तगड़ी कमी हुई थी। इसी के साथ अब अपना सोने का भंडार बढ़ कर यूएसडी 83.582 बिलियन हो गया है। साथियों बात अगर हम वैश्विक सूचकांकों में भारत के अति पिछड़े होने को समझने की करेंतो,भारत की वैश्विक सूचकांक में रैंकिंग में गिरावट के कई कारण हैं, जिनमें बुनियादी ढांचा, आर्थिक विकास, सामाजिक सुरक्षा, और शिक्षा शामिल हैं। कुछ सूचकांकों में, जैसे कि ग्लोबल हंगर इंडेक्स, डेटा के अशुद्ध रिकॉर्डिंग या गलत रिपोर्टिंग भी एक कारक हो सकती है। (1) बुनियादी ढांचाः कई सूचकांकों में, भारत का डिजिटल और भौतिक बुनियादी ढांचा खराब पाया गया है, जिससे उसकी रैंकिंग प्रभावित हो रही है। उदाहरण के लिए, वैश्विक रिमोट वर्क इंडेक्स में भारत को खराब बुनियादी ढांचे के कारण 95 वें स्थान पर रखा गया है। (2) आर्थिक विकासः हालांकि भारत की अर्थव्यवस्था में वृद्धि हुई है, लेकिन आर्थिक असमानता और सामाजिक सुरक्षा की कमी के कारण कुछ सूचकांकों में उसकी रैंकिंग कम हो रही है। (3) सामाजिक सुरक्षाःभारत का सामाजिक सुरक्षा ढांचा कुछ सूचकांकों में खराब पाया गया है, जिससे इसकी रैंकिंग कम हो रही है। (4) शिक्षाःभारत में शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार की आवश्यकता है, जो कुछ सूचकांकों में भारत की रैंकिंग को प्रभावित कर रही है (5) डेटा के अशुद्ध रिकॉर्डिंगःकुछ सूचकांकों जैसे ग्लोबल हंगर इंडेक्स, में डेटा की अशुद्ध रिकॉर्डिंग या गलत रिपोर्टिंग भी रैंकिंग में गिरावट का एक कारण हो सकती है।उदाहरण के लिएः (1) ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2022 में भारत को 107वें स्थान पर रखा गया था, जो 6 पायदान की गिरावट थी, जो कि एक विशेषज्ञ के अनुसार डेटा की गलत रिपोर्टिंग के कारण हुई थी। (2) पासपोर्ट इंडेक्स में भारत की रैंकिंग में 2023 में भारी गिरावट आई, जो यूरोपीय संघ की नीति के कारण हुई थी, जिससे भारतीय नागरिकों के लिए कुछ देशों में वीजा की आवश्यकता हो गई। (3) विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2025 में भारत को 118 वें स्थान पर रखा गया है, जो 2020 में 139 वें स्थान से एक महत्वपूर्ण उछाल है, लेकिन अभी भी पाकिस्तान और नेपाल से पीछे है। भारत की वैश्विक सूचकांक में रैंकिंग में गिरावट कई कारकों के कारण होती है, जिनमें बुनियादी ढांचा, आर्थिक विकास, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, और डेटा की अशुद्ध रिपोर्टिंग शामिल हैं। इन कारकों को संबोधित करके, भारत अपनी वैश्विक रैंकिंग में सुधार कर सकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत के विदेशी मुद्रा भंडार ने बदला विश्व का सीन-हैरान हुआ पाकिस्तान व अमेरिका,देखता रह गया चीन!पूरी दुनियाँ भारत की बढ़ती सुदृढ़ होती अर्थव्यवस्था व विदेशी मुद्रा भंडार से हैरान-स्वर्ण भंडार में भी बढ़ोतरी।वैश्विक स्तरपर भारतीय अर्थव्यवस्था,विदेशीमुद्रा भंडारण स्पेस,रक्षा क्षेत्रों में तेज़ी से ज़बरदस्त उछाल के बावजूद वैश्विक,खुशहाली,गरीबी, भूख सूचकांकों में दयनीय स्थिति को रेखांकित करना ज़रूरी हैं।

(लेखक के अपने विचार हैं)

अपनी राय हमें इस मेल पर भेंजे- vishwavarta.response@gmail.com

साइकिल चलाना एक उत्कृष्ट व्यायाम : महात्मा गांधी

डॉ. नन्दकिशोर साह

प्रत्येक वर्ष 3 जून को विश्व साइकिल दिवस मनाया जाता है, इसका उद्देश्य साइकिल के महत्व और उसके विभिन्न लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। साइकिल न केवल एक परिवहन का साधन है, बल्कि यह एक स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसका इतिहास लगभग दो शताब्दियों पुराना है। जब 1817 में जर्मन आविष्कारक कार्ल वॉन ड्रेस ने पहली साइकिल का निर्माण किया था। तब से लेकर अब तक, साइकिल ने कई रूपों में विकास किया है। यह दुनिया भर में एक लोकप्रिय परिवहन साधन बन गई है। भारत में कई प्रसिद्ध साइकिल कंपनियां हैं, जो उच्च गुणवत्ता वाली साइकिल प्रदान करती है। हीरो, टीआई हरक्यूलिस चक्र, एटलस साइकिल, नब्बे वन, रॉकस्टार साइकिल, मोजो स्पिन चक्र, फ़ायरफ़ॉक्स साइकिल, और मोटरसाइकिल इन कंपनियों के अलावा और भी कई ब्रांड हैं। साइकिल चलाना एक उत्कृष्ट व्यायाम है, जो शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह हृदय स्वस्थ, मांसपेशियों की ताकत और लचीलेपन में सुधार करता है। साइकिल एक पर्यावरण अनुकूल परिवहन साधन है, जो वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण को कम करने में मदद करती है। यह जीवाश्म ईंधन की खपत को भी कम करती है, जिससे ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी आती है। यह एक किफायती परिवहन साधन है, जो ईंधन और रखरखाव की लागत को कम करती है। यह यातायात की भीड़ भाड़ को भी कम करने में मदद करती है, जिससे यात्रा का समय कम होता है। साइकिल चलाने से समुदाय में सामाजिक संपर्क बढ़ता है, और यह एक स्वस्थ और सक्रिय जीवन शैली को बढ़ावा देती है। लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित करने से स्वास्थ्य और पर्यावरण लाभों में वृद्धि हो सकता है। साइकिल पथों का निर्माण साइकिल चलाने वालों की सुरक्षा और सुविधा को बढ़ावा देता है। साइकिल शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को साइकिल के महत्व और उसके लाभों के बारे में जानकारी दी जा सकती है। हमें साइकिल के महत्व को बढ़ावा देने और इसके लाभों का आनंद लेने के लिए काम करना चाहिए। महात्मा गांधी साइकिल के उपयोग को समय की पाबंदी और आत्मनिर्भरता के प्रतीक के रूप में देखते थे। एक प्रसिद्ध घटना में, गांधी जी एक सभा में भाषण देने के लिए आमंत्रित किए गए थे, जहां आयोजक ने उन्हें साढ़े तीन बजे लेने का वादा किया था। हालांकि, आयोजक समय पर नहीं पहुंचे, लेकिन गांधी जी अपने आश्रम से साइकिल लेकर सभास्थल पहुंचे और तय समय पर अपना भाषण दिया। इससे उनकी समय की पाबंदी और अनुशासन का पता चलता है। गांधी जी के अनुसार, साइकिल चलाना न केवल एक स्वस्थ गतिविधि है, बल्कि यह आत्मनिर्भरता और साधारण जीवन जीने का भी प्रतीक है। गांधी जी साइकिल का उपयोग करके आत्मनिर्भरता का उदाहरण पेश करते थे। साइकिल चलाकर वे समय पर पहुंचने के महत्व को दर्शाते थे। साइकिल जैसे साधारण वाहन का उपयोग करके वे सरल और सादगीपूर्ण जीवन जीने की वकालत करते थे। उनके इन विचारों से पता चलता है कि गांधी जी साइकिल को न केवल एक वाहन के रूप में देखते थे, बल्कि इसे जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों के प्रतीक के रूप में भी देखते थे। आजकल बाजार में हर उम्र के बच्चों के लिए अलग-अलग तरह की साइकिल उपलब्ध है। उन्हें उपहार के रूप में साइकिल देना चाहिए और अपनी देखरेख में साइकिल चलाने की अनुमति देना चाहिए। इसकी एक और खासियत यह है कि आपको ड्राइविंग लाइसेंस की जरूरत नहीं पड़ती है। अगर आपको आसपास ही जाना हो तो साइकिल का ही उपयोग करें। इसमें आपका पेट्रोल नहीं जलेगा। पर्यावरण में धुआँ, ध्वनि प्रदूषण नहीं होगा। साइकिल से गिरकर बड़ी दुर्घटना आप नहीं सुने होंगे। तीन दशक पहले शादी समारोह में साइकिल देना गर्व की बात होती थी। हर दूल्हा का रेडियो, घड़ी के साथ साइकिल दहेज में लेने का अरमान होता था।साइकिल चलाना कई बीमारियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा, मानसिक स्वास्थ्य, पाचन तंत्र, मांसपेशियों और हड्डियों की मजबूती, फेफड़ों की क्षमता में सुधार, कैंसर का खतरा कम करने में साइकिल नियमित और मध्यम-तीव्रता वाली चलाने से स्वास्थ्य लाभ मिलता है।

(लेखक के अपने विचार हैं)

विश्व साइकिल दिवस 3 जून पर विशेष

कविता

मोनिका डागा

महाकाल स्तुति

जय जय जय महादेव शंभू देवाधिदेव शंकरा,
नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं देवाधिदेव दिगंबरा।
प्रचंड हो अखंड हो दुष्टों के लिए मृत्युदंड हो,
काल हो महाकाल हो भूतनाथ विकराल हो,
सरल हो अविरल हो कंठ में रखे विष गरल हो,
विश्वेश्वर हो नागेश्वर हो उत्पति कर्ता महेश्वर हो,
स्वयंभू तेज पुंज ज्योतिर्मय सर्वदेवात्मा प्रभाकरा,
नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं देवाधिदेव दिगंबरा।
राजाधिराज हो योगीराज हो शंभू शिव महाराज हो,
जटाधारी हो त्रिनेत्रधारी हो भस्म रमाएं ऊँकारी हो,
निशाचर हो प्रलयंकर हो इस सृष्टि के सूत्र कार हो,
नंदीश्वर हो सर्वेश्वर हो पालनकर्ता पिता परमेश्वर हो,
सोम तीर्थरूप पारिजात ऐश्वर्यकारक अचलेश्वरा,
नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं देवाधिदेव दिगंबरा।
मेरे आराध्य हो भक्ति साध्य हो श्रद्धा के बाध्य हो,
दीनानाथ हो लोकनाथ हो भक्तों के प्यारे नाथ हो,
वाचस्पति हो उमापति हो शिवशंकर जगतपति हो,
ममलेश्वर हो रामेश्वर हो रक्षक दुखहर्ता जगदीश्वर हो,
तारक उद्धारक अजर अमर प्रभंजन कल्याणकरा,
नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं देवाधिदेव दिगंबरा।
कैलाशवासी हो अविनाशी हो आनंद सुख राशि हो,
औघड़दानी हो महादानी हो देव अमृत वरदानी हो,
विश्वनाथ हो अमरनाथ हो रोग निवारक वैद्यनाथ हो,
कपालेश्वर हो दक्षिणेश्वर हो संहारकर्ता महाकालेश्वर हो।
दिव्यायुध पिनाकी भस्मशायी रूद्राक्ष रूद्र भयंकरा,
नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं देवाधिदेव दिगंबरा ।
जय जय जय महादेव शंभू देवाधिदेव शंकरा,

सेहत को धीमे जहर से बचाइए

विवेक शुक्ला

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, तंबाकू का किसी भी रूप में सेवन सेहत के लिए धीमा जहर (स्लो पॉयजन) है। इस बात की गंभीरता का आकलन विश्व स्वास्थ्य संगठन के इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि दुनिया भर में प्रतिवर्ष होने वाली लगभग 60 लाख मौतों का कारण तंबाकू उत्पादों के इस्तेमाल से उत्पन्न होने वाली बीमारियां हैं। यही कारण है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तंबाकू उत्पादों से स्वास्थ्य पर उत्पन्न होने वाले खतरों से लोगों को जागरूक करने के लिए हर वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस (वर्ल्ड नो टोबैको डे) का आयोजन किया जाता है। तंबाकू के हानिकारक रसायनों में हाइड्रोजन साइनाइड, कार्बन मोनोऑक्साइड , बेंजीन, आर्सेनिक , फॉर्मलाडेहाइड और अमोनिया आदि शामिल हैं। ये रसायन शरीर के विभिन्न अंगों के कैंसरग्रस्त होने का जोखिम बढ़ाते हैं। इसी तरह धूम्रपान से निकलने वाले रसायन ₹डीएनए₹ को नुकसान पहुंचा सकते हैं और डीएनए की क्षति को रिकवर करना कठिन होता है, जिसके परिणामस्वरूप सामान्य कोशिका कैंसर कोशिका में परिवर्तित हो सकती है। धूम्रपान करने वालों को फेफड़े का कैंसर कहीं ज्यादा होता है। प्रख्यात मेडिकल जर्नल दि लैंसेट के अनुसार विश्व में कैंसर से होने वाली मौतों का एक प्रमुख कारण फेफड़ों का कैंसर है। लगभग 70 फ़ीसदी लोगों में धूम्रपान (पाइप, सिगार, सिगरेट, बीड़ी, चिलम, हुक्का) के कारण फेफड़ों के कैंसर की समस्या कालांतर में उत्पन्न होती है। इसके अलावा मुंह,गले और जीभ का कैंसर होने का जोखिम उन लोगों में ज्यादा होता है, जो विभिन्न रूपों में तंबाकू को मुंह में रखकर (जैसे तंबाकू युक्त पान,गुटखा और खैनी आदि) इसका काफी अर्से से सेवन कर रहे हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार मुंह के कैंसर के लगभग 90% मरीज किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इसके अलावा तंबाकू उत्पादों के सेवन से स्वरयंत्र (वॉयस बॉक्स), मूत्राशय, गुर्दे, यकृत, पेट, पैनक्रियाज, बड़ी आंत, मलाशय, और गर्भाशय ग्रीवा आदि के कैंसरग्रस्त होने का खतरा बढ़ जाता है। कैंसर के अलावा अन्य समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। जैसे जो लोग पहले से ही दमा से ग्रस्त हैं, उनमें धूम्रपान या अन्य तंबाकू उत्पादों के सेवन से इस समस्या के बढ़ने (ट्रिगर) का जोखिम कहीं ज्यादा होता है। यही नहीं, फेफड़ों की गंभीर बीमारी-क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज(सीओपीडी) के होने का मुख्य कारण भी धूम्रपान है। देश में सीओपीडी से लगभग 80 फीसदी लोगों की मौतों का कारण धूम्रपान की लत है। इसी तरह जो लोग धूम्रपान करते हैं, उनमें फेफड़ों का संक्रमण जैसे निमोनिया होने का खतरा कहीं ज्यादा होता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार धूम्रपान करने वाले लोगों में कोविड-19 के बाद होने वाले आफ्टर इफेक्ट्स कहीं ज्यादा जटिल रहे हैं। यही नहीं फेफड़ों से संबंधित ब्रॉन्काइटिस आदि समस्याएं उन लोगों में ज्यादा होती हैं, जो धूम्रपान करते हैं। वहीं धूम्रपान करने से प्रजनन क्षमता में कमी से संबंधित मामले भी सामने आए हैं। इसी तरह एक बड़ी संख्या में धूम्रपान करने वाले लोगों में पैरों की नसों में थक्का बनने की समस्याएं कहीं ज्यादा होती हैं। दांतों का खराब होना, पेट में अल्सर और एसिडिटी की समस्या भी तंबाकू के कारण हो सकती है। वर्ल्ड हार्ट फेडरेशन के टोबैको एक्सपर्ट ग्रुप के प्रमुख डॉ. एडुआर्डो बियांको का कहना है कि अगर आप सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों की लत छोड़ते हैं तो हृदय रोगों का खतरा 50 फीसदी तक कम हो जाता है। धूम्रपान और अन्य तंबाकू उत्पादों के सेवन से रक्त में बैड कोलेस्ट्रॉल और ट्राईग्लिसराइड (दोनों ही वसा के प्रकार हैं) के स्तर में वृद्धि की आशंकाएं बहुत ज्यादा बढ़ जाती हैं। ऐसी स्थिति में कालांतर में हृदय की धमनियों (कोरोनरी आर्टरीज) में अवरोध उत्पन्न हो जाता है , जिसके परिणामस्वरूप एक वक्त के बाद व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। सौभाग्यवश अगर दिल का दौरा नहीं पड़ता तो तंबाकू उत्पादों का सेवन करने वाले लोगों में उच्च रक्त चाप से ग्रस्त होने का जोखिम, तंबाकू का सेवन न करने वाले लोगों की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक होता है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार तंबाकू उत्पाद ग्रहण करने वाले लोगों में स्ट्रोक या ब्रेनअटैक होने का जोखिम कहीं ज्यादा होता है। इसका कारण यह है कि निकोटिन शरीर में रक्त चाप को बढ़ाती है, जिसके अनियंत्रित होने पर कालांतर में स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। तंबाकू की तलब छोड़ने के बाद आप सेहत से संबंधित खतरों को काफी हद तक खत्म कर सकते हैं, लेकिन तंबाकू की लत छोड़ना हंसी खेल नहीं है। इसे छोड़ने के लिए आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति और मनोचिकित्सक का परामर्श आवश्यक है। मनोचिकित्सक काउंसलिंग कर आपको गुटखा छोड़ने के लिए मानसिक रूप से तैयार करते हैं। वे आपको निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी(एनआरटी) भी दे सकते हैं ताकि आपको तंबाकू उत्पादों को छोड़ने के बाद दोबारा इनकी लत न लगे। तंबाकू की लत को धीरे धीरे छोड़ने के बजाय दृढ इच्छाशक्ति और मनोबल से एकदम और एकबार में छोड़ देना कहीं ज्यादा बेहतर है। अगर तंबाकू की तलब बहुत तेज है तो निकोटिन गम का इस्तेमाल करें। आमतौर पर शराब पीने पर तंबाकू की तलब ज्यादा लगती है। इसलिए तंबाकू छोड़ने के बाद शराब से भी दूर रहें। अक्सर लोग पारिवारिक, आर्थिक और अन्य गंभीर समस्याओं के कारण एक बार तंबाकू छोड़कर दोबारा तंबाकू के लती बन जाते हैं। बेहतर होगा कि आप बातचीत या अन्य तरीकों से अपनी समस्याओं को सुलझाएं, न कि फिर से तंबाकू रूपी दलदल में फंसें। जरूरत पड़ने पर बेहिचक मनोरोग विशेषज्ञ से परामर्श लें। आत्म सुझाव(ऑटो सजेशन) से अपनी संकल्प शक्ति को जाग्रत करें। जैसे स्वयं से यह कहें कि मैं अतीत में कई बुरी आदतों या लतों को छोड़ चुका हूं,मैंने जो फैसला किया उस पर अडिग रहा हूं और इस बार भी तंबाकू उत्पादों को छोड़ने का जो फैसला ले चुका हूं,उस पर अमल करूंगा। इसके अलावा तंबाकू की तलब लगने पर इससे होने वाले गंभीर रोगों को याद करें। ऐसा करने से आप तंबाकू खाने के प्रति हतोत्साहित होंगे।

(लेखक के अपने विचार हैं)

स्वास्थ्य के लिए वरदान है साइकलिंग

प्रदीप कुमार वर्मा

गांव की कच्ची पगडंडियों से लेकर आधुनिक जिम के लिए जरूरी। खेत और खलिहान से लेकर ओलंपिक के ट्रैक तक की दूरी। स्कूली बच्चों से लेकर घर के बड़े-बुजुर्गों तक का सहारा। और दिहाड़ी मजदूर से लेकर कारपोरेट जगत के बड़े साहब तक की जरूरत। जी हां, हम बात कर रहे हैं साइकिल की। बीते सैकड़ो सालों में साइकिल ने अपने आविष्कार से लेकर आधुनिक जगत तक अपनी पहुंच बनाने में एक लंबा सफर तय किया है। साइकिल चलाना न केवल बेहतर स्वास्थ्य के लिए वरदान है। बल्कि, पर्यावरण संतुलन और संरक्षण में भी साइकिलिंग की महती भूमिका है। विश्व साइकिल दिवस तीन जून के मौके पर देश और दुनिया में आज एक बार फिर से साइकिल की इसी प्रासंगिकता पर चर्चा और विमर्श जारी है। यही नहीं साइकिलिंग के फायदे के चलते साइकिल आने वाली सदियों तक भी प्रासंगिक रहेगी, ऐसा भी माना जा रहा है। दुनिया में सबकी चहेती कही जाने वाली साइकिल की उत्पत्ति और आविष्कार के अतीत पर गौर करें,तो पता चलता है कि साइकिल का पहला रूप पुनर्जागरण यूरोप में 15वीं शताब्दी का है। इस अवधि के चित्र और रेखाचित्र दो पहियों के साथ एक बार से जुड़े हुए विचित्र उपकरणों को दर्शाते हैं। साइकिल के आविष्कार में पहली सफलता वर्ष 1817 में बैरन कार्ल ड्रैस द्वारा किए गए आविष्कार से मिली। उन्होंने लकड़ी के फ्रेम, स्टीयरिंग के लिए हैंडलबार और गद्देदार सीट के साथ एक दो-पहिया वाहन डिजाइन किया। सवार अपने पैरों से जमीन पर धक्का देकर खुद को आगे बढ़ाते थे। तब इसे रनिंग मशीन या ड्रैसिन के नाम से जाना जाता था। साइकिल के इतिहास में अगला महत्वपूर्ण विकास 1860 के दशक में हुआ जब पैडल सीधे आगे के पहिये से जुड़े हुए थे। यह आधुनिक साइकिल की ओर एक महत्वपूर्ण कदम था। इसके बाद में वर्ष 1870 के दशक में पहली सच्ची चेन-चालित ₹सुरक्षा साइकिल₹ अस्तित्व में आई। पैडल को पीछे के पहिये से जोड़ने वाली चेन और हीरे के आकार के फ्रेम वाली सुरक्षा साइकिल ने साइकिल चलाने में क्रांति ला दी। यह अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में अधिक सुरक्षित, अधिक आरामदायक और अधिक सुलभ थी। इस डिज़ाइन ने उन साइकिलों की नींव रखी जिन्हें हम आज जानते हैं। इसके बाद 1880 के दशक में न्यूमेटिक टायर का आगमन भी देखा गया जिससे साइकिल की यह सवारी अधिक सहज और आनंददायक हो गई। इसके बाद 20 वीं सदी में गियर सिस्टम, हल्के वजन वाली सामग्री और वायुगतिकीय डिजाइनों की शुरुआत के साथ साइकिलों का विकास जारी रहा। साइकिलें परिवहन का एक लोकप्रिय साधन बन गई। खासकर घनी आबादी वाले शहरी इलाकों में, जहाँ उन्होंने कारों के लिए एक व्यावहारिक और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प पेश किया। इसने साधारण साइकिल की उत्पत्ति की परिणति को चिह्नित किया और भविष्य के विकास के लिए मंच तैयार किया। हम आज इलेक्ट्रिक साइकिल के माध्यम से इन विकासों को पहले से ही देख रहे हैं। बीते दिनों में साइकिल की उपयोगिता में और भी बढ़ोतरी हुई है। क्योंकि साइकिलिंग करना स्वास्थ के लिए काफी फायेदमंद होता है। क्योंकि साइकिलिंग करने से मनुष्य न केवल मानसिक रूप से बल्कि शारीरिक रूप से भी हृष्ट पुष्ट रहता है। साइकिलिंग करने से पर्यावरण को भी किसी तरीके की हानि नहीं पहुंचती है। वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाईजेशन के अनुसार साइकिलिंग से आपको कई प्रकार के लाभ प्राप्त हो सकते हैं। साइकिलिंग के लाभ को देखते हुए हर साल 3 जून को वर्ल्ड साइकिल डे मनाया जाता है। विश्व साइकिल दिवस मनाने का विचार सबसे पहले संयुक्त राज्य अमेरिका में काम करने वाले पोलिश-अमेरिकी सोशल साइंस प्रोफेसर लेसज़ेक सिबिल्स्की द्वारा प्रस्तावित किया गया था। उन्होंने हर साल विश्व साइकिल दिवस को मनाने के लिए जमीनी स्तर पर अभियान शुरू किया। इस अनोखे अभियान को शुरू करने के बाद उन्हें तुर्कमेनिस्तान सहित 56 अन्य देशों से समर्थन प्राप्त हुआ। इसके चलते यूनाइटेड नेशंस जनरल असेंबली ने 2018 में हर साल 3 जून को वर्ल्ड साइकिल डे मानाने की घोषणा की। वर्तमान समय में देश और दुनिया में साइकिल के उपयोग और इसको महत्व के अतीत के बारे में गौर करें तो वर्ष 1990 तक साइकिल का दौर रहा। उस जमाने में गांव से लेकर शहर तक और स्कूल से लेकर कॉलेज तथा युवा से लेकर बुजुर्ग तक सभी लोगों के पास साइकिल हुआ करती थी। तब साइकिल का क्रेज भी आज की स्पोर्ट्स बाइक से कम नहीं था। लेकिन बदलते समय के साथ धीरे-धीरे इसका महत्व लोगों के बीच घटता चला गया। हालात ऐसे हो गए की साइकिल का उपयोग लोगों की गरीबी और आलस की निशानी बनता चला गया। साइकिल के मुकाबले स्पोर्ट्स बाइक के उपयोग से न केवल पर्यावरण के लिए खतरा पैदा हुआ। बल्कि लोगों की शारीरिक सक्रियता भी कम होती चली गई।

(लेखक के अपने विचार हैं)

एक नजर

ग्राम प्रधान ने बांटी खेल सामग्री

शाहजहांपुर। जनपद की मॉडल ग्राम पंचायत भटपुरा रसूलपुर के ग्राम प्रधान अनिल कुमार गुप्ता ने ग्राम के सभी बच्चों को खेल सामग्री बांटी, और कहा कि सभी बच्चो को पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी जरूरी है, खेल खेलने से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है और यदि शरीर हमेशा स्वस्थ रहेगा तो हम सभी बीमारी से भी हमेशा दूर रहेंगे। ग्राम प्रधान ने बताया कि हमारी ग्राम पंचायत में सभी बच्चों के लिए मिनी स्टेडियम भी बनाया गया है ,और ग्राम में ही झूलों की भी व्यवस्था है, जिस पर ग्राम के सभी बच्चे निशुल्क झूला झूल सके। खेल सामग्री प्राप्त कर ग्राम के सभी बच्चों ने अपने प्रधान को धन्यवाद दिया। इस मौके पर ग्राम के निवासी श्रीकांत दीक्षित, सतीश कुमार, लल्लन अली, अनुज मिश्रा, यशपाल सिंह, सूरज गुप्ता, मनीष गुप्ता, आयुष, बैटाराम आदि सभी उपस्थित रहे।

नगर निगम कार्यालय में हुई शोकसभा

शाहजहांपुर। सरोज गुप्ता तत्कालीन अध्यक्ष नगर पालिका परिषद के आकस्मिक निधन पर नगर निगम परिवार द्वारा शोक संतप्त एवं शोक व्हिवल है तथा नगर निगम परिवार की ओर से नगर निगम प्रांगण में स्व. सरोज गुप्ता की आत्मा की शांति हेतु दो मिनट मौन रहकर परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की गई व ईश्वर से प्रार्थना की गई कि वह उनके शोक संतप्त परिवार को इस अपार क्षति के वहन करने की शक्ति एवं सामर्थ्य प्रदान करें। इस मौके पर नगर आयुक्त डॉ. बिपिन कुमार मिश्र, अपर नगर आयुक्त एस.के. सिंह, सहायक नगर आयुक्त राजकुमार गुप्ता, अधिशासी अभियंता निर्माण आशीष त्रिवेदी, सहायक अभियंता जलकल प्रेमचन्द्र आर्य व लेखा विभाग से सुभाष मिश्रा व नगर निगम के वरिष्ठ कर्मचारियों के रूप में सतीश बालिया, रमाकांत दीक्षित, रिजवान खां, अशोक कुमार व अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनता से कपड़े के थैले प्रयोग करने की अपील

शाहजहांपुर। पर्यावरण दिवस से पूर्व नगर निगम व बैंक ऑफ बड़ौदा के संयुक्त तत्वाधान में जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया गया। जिसमें नगर आयुक्त व बैंक ऑफ बड़ौदा के अधिकारियों व कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से जनता को प्लास्टिक न प्रयोग करने का आवाहन किया, साथ ही बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा निर्मित कराये गये कपड़े के बैग को जनता को वितरित किया गया। उक्त कार्यक्रम में नगर आयुक्त बिपिन कुमार मिश्र, सहायक नगर आयुक्त राजकुमार गुप्ता, नगर स्वास्थ्य अधिकारी मनोज कुमार मिश्रा मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक हरवंश दीक्षित, सैफ सिद्दीकी के अतिरिक्त बैंक ऑफ बड़ौदा क्षेत्रीय कार्यालय के प्रबन्धक व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। उक्त के अतिरिक्त नगर आयुक्त बिपिन कुमार मिश्र द्वारा वार्ड सं.-08 बृज विहार कॉलोनी में पार्षद रामबरन सिंह चंदेल के साथ सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया, जिसमें सफाई व्यवस्था अत्यन्त दुरुस्त पायी गयी। इस मौके पर नगर आयुक्त द्वारा जनता के सहयोग व पार्षद की सफाई व्यवस्था को बेहतर रखने की पहल के लिए भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी।

तरबूज के पैसे कम कराने को लेकर मारपीट

बरेली। सीबीगंज में एक दबंग तरबूज विक्रेता ने एक युवक को तरबूज के पैसे कम कराने की बात पर जमकर मारा पीटा व चाकू से लैस होकर हमलावर हो गया। पीड़ित ने घायल अवस्था में थाने पहुंचा और आरोपी के खिलाफ शिकायत देकर अपने साथ हुई घटना से अवगत कराया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। सीबीगंज के गांव महेशपुर निवासी सद्दाम पुत्र असगर अली ने दर्ज मुकदमे में बताया है कि वे 26 मई को रामपुर रोड किनारे महेशपुर निवासी बड़े पुत्र बब्लू से तरबूज खरीद रहे थे इसी दौरान आरोपी ने तरबूज के पैसे ज्यादा बताए तो पीड़ित युवक ने दस रूपए कम में देने की बात कही जिस पर आरोपी भड़क गया और गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी युवक ने जमकर मारा पीटा जिसमें वह घायल हो गया। आरोपी का दिल इससे भी नहीं भरा तो उसने चाकू से लैस होकर पीड़ित पर हमलावर हो गया और जान से मारने की धमकी देने लगा। पीड़ित ने थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से बुजुर्ग की मौत

बरेली। थाना शाही क्षेत्र के मंसूरगंज गांव में एक झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही के चलते 60 वर्षीय बुजुर्ग रामपाल की मौत हो गई। मृतक के बेटे विनोद ने जानकारी दी कि रविवार शाम करीब 4 बजे उनके पिता को गैस की तकलीफ हुई थी। गांव के ही रहने वाले वाहिद नबी, जो झोला छाप डॉक्टर की मार्केटिंग करते थे और गांव-गांव घूमकर अपने अस्पताल का प्रचार करते थे, उन्होंने इलाज के लिए अपने निजी अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी। विनोद के अनुसार, रामपाल को गैस के दर्द की जगह हार्ट की दवा दे दी गई, जिससे उनकी हालत बिगड़ गई। दवा खाने के कुछ ही देर बाद रामपाल को बेचैनी शुरू हुई। स्थिति गंभीर होने पर जब डॉक्टर को जानकारी दी गई तो उन्होंने अस्पताल ले जाने को कहा। अस्पताल पहुंचने के कुछ ही देर बाद रामपाल की मृत्यु हो गई। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए झोलाछाप डॉक्टर और प्रचारक वाहिद नबी के खिलाफ थाना शाही में तहरीर दी। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

इंजन चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

बरेली। पुलिस टीम ने उचसिया मोड़ से लगभग 80 मीटर की दूरी पर छानबीन के दौरान टिसुआ गांव के रहने वाले दो युवकों नईम पुत्र फखरुद्दीन (21 वर्ष) और अमन पुत्र राजू (20 वर्ष) को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों के पास से चोरी किया गया इंजन बरामद हुआ है। अभियुक्तों के खिलाफ थाना फतेहगंज पूर्वी में पहले से ही अभियोग पंजीकृत था, जिसकी धाराओं में अब धारा 317(2) बीएनएस की भी बढ़ोतरी की गई है। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपने दो अन्य साथियों शिबू पुत्र खुशी मोहम्मद और आजिद पुत्र राशिद के साथ मिलकर टिसुआ गांव में रहने वाले गुड्डू के खेत से इंजन चोरी किया था। इंजन को एक मोटरसाइकिल वाली डलिया में रखकर बेचने की योजना थी, लेकिन रास्ते में उचसिया मोड़ के पास पेट्रोल खत्म हो जाने के कारण वे इंजन समेत डलिया को वहीं खड़ा कर गए। सूचना पर दो आरोपियों को दबोच लिया गया, जबकि शिबू और आजिद मौके से फरार हो गए।

डिजिटल मॉडल परवाह ने रचा कीर्तिमान

बरेली। शासन की मंशा के अनुरूप चलाया गया बरेली जोन पुलिस का परवाह अभियान जन आंदोलन बन रहा है। देश भर में करीब 100 लाख लोग अब तक इस अभियान से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ चुके हैं। एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा के निर्देश पर जोन में 19 अप्रैल से 19 मई 2025 तक डिजिटल सड़क सुरक्षा अभियान परवाह ने रिकॉर्ड सफलता अर्जित की है।

सिपाही व उसके दोस्त को मौत के घाट उतारकर ट्रक चालक फरार

पीलीभीत। तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया। सड़क दुर्घटना के शिकार दोनों युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक घटनास्थल से फरार हो गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतकों में एक थाना सुनगढ़ी का कांस्टेबल शामिल है। थाना सुनगढ़ी में तैनात सिपाही शिवम बालियान रविवार की रात लगभग साढ़े बारह बजे ड्यूटी खत्म होने के बाद कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बाग गुलशेर खां निवासी अपने दोस्त बॉबी चौधरी के साथ पुलिस लाइन स्थित आवास पर जा रहा था। दोनों बाइक सवार जैसे ही गौहानिया चौराहा के पास पहुंचे कि तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सिपाही और उसका दोस्त उछलकर आगे की ओर जा गिरे। इसके बाद ट्रक दोनों को कुचलता हुआ निकल गया। सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दोनों युवकों की मौत हो गई। दोनों के शव क्षत-विक्षत हो गए। सूचना मिलते ही सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, इंस्पेक्टर सुनगढ़ी पवन कुमार पांडे फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। घटनास्थल का मुआयना करने और जानकारी जुटाने के बाद मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने हादसे की सूचना मृतक सिपाही और युवक के परिवार वालों को दी। बताया जा रहा है मृतक सिपाही बुलंदशहर का रहने वाला है। उसकी पत्नी गर्भवती है। देर रात पहुंचे परिवार वालों का रो- रोकर बुरा हाल है। इधर मृतक बॉबी चौधरी इकलौता पुत्र था। मां का निधन कई वर्ष पहले ही हो चुका है। बेटे की मौत के बाद पिता भी बेहोश हो गए।

गन प्वाइंट पर गृह स्वामिनी से लूटपाट

पीलीभीत। पुलिसिया कार्यवाही से बेखौफ बदमाशों ने बीती रात एक घर को अपना निशाना बना डाला। बदमाशों ने घर में मौजूद महिला को गन प्वाइंट पर लेकर नकदी सहित सोने चांदी के जेवरात लूट लिए। आरोप है कि विरोध करने पर बदमाशों ने युवती से मारपीट भी की और उसका मुंह कपड़े से बांध दिया। घटना के बाद परिवार में दहशत का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बीती रात कोतवाली पूरनपुर क्षेत्र के गांव शेरपुरकलां निवासी कय्यूम की पुत्री चमन गर्मी के कारण छत पर बने कमरे में सो रही थी। देर रात असलहा से लैस दो बदमाश छत के रास्ते घर में घुसे और कमरे का दरवाजा खटखटाया। चमन को लगा कि मां की तबीयत खराब हो गई है, इसलिए वह दरवाजा खटकता रही है, जैसे ही चमन कमरे से बाहर निकली, एक बदमाश ने उसका मुंह कपड़े से बंद कर दिया और जबरन अंदर खींच लिया। आरोप है कि बदमाशों ने उसके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की, जिससे वह डर गई। दोनों बदमाशों ने गन प्वाइंट पर उसे बंधक बनाकर कमरे में रखे संदूक से 24 हजार रुपये, सोने की दो चैन, अंगूठी, नाक का फूल, चांदी की पायल समेत अन्य कीमती सामान लूट लिया और मौके से फरार हो गए। चमन ने घटना के बाद शोर मचाकर परिवार के अन्य लोगों को जगाया। सभी लोग घबराहट में तुरंत स्थानीय पुलिस चौकी पहुंचे, आरोप है कि वहां मौजूद सिपाहियों ने तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की। सोमवार को पुलिस मौके पर पहुंची और निरीक्षण की औपचारिकता निभाकर लौट गई। घटना के चलते हड़कंप मचा रहा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राज्यपाल के प्रस्तावित दौरे की सभी तैयारियां पूर्ण करने के दिए निर्देश

पीलीभीत। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का 04 जून को जनपद पीलीभीत का दौरा प्रस्तावित है। राज्यपाल के आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरु कर दिया है। इसी क्रम में जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह व पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने गांधी सभागार में जनपद के सभी अधिकारियों के साथ बैठक की और सभी को विशेष दिशा निर्देश दिए। बैठक की शुरुआत में राज्यपाल के 04, 05 जून के मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया।जिलाधिकारी ने तैयारियों के सम्बन्ध में चर्चा की और सभी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में रूट प्लान, पुलिस व्यवस्था, मुस्तफाबाद गेस्ट हाउस की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी-पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों से प्रस्तावित बैठक, जिला कारागार कार्यक्रम व साफ सफाई व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए समय से सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि मुस्तफाबाद में आंगनबाडी किट वितरण की जाएगी। इसके साथ ही संचालित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित किया जायेगा। बैठक में सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि खान- पान व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाये। बैठक के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी को मेडिकल टीम, एम्बुलेंस, जीवन रक्षक औषधियां उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। बैठक में अन्य विन्दुओं पर विचार विमर्श किया। सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, डीएफओ, अपर पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), परियाजना निदेशक, सीओ सिटी सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

किसी भी हाल में खुले में न की जाए कुर्बानी, अन्यथा होगी कार्रवाई

बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में ईद-उल-जुहा(बकरीद) के पर्व पर कानून एवं शांति व्यवस्था को लेकर पीस कमेटी की बैठक पुलिस लाइन में सम्पन्न हुई।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी ना दी जाए और कुर्बानी खुले में ना दी जाए,बच्चों को भी समझाएं कि कुर्बानी की वीडियो ना बनाए और ना वायरल करें। जिलाधिकारी ने कन्ट्रोल रुम को सक्रिय किये जाने के निर्देश दिए जिससे किसी की कोई समस्या हो तो लोग परेशानी स्थिति में फोन कर जानकारी दे सकें। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने निर्देश दिए कि ईद-उल-जुहा के पर्व पर जिन स्थानों पर परम्परागत रुप से जहां नमाज पढ़ते आये हैं वहीं नमाज अदा करें तथा सामूहिक कुर्बानी स्थल जो पहले से चिन्हित हैं उन्हीं स्थानों पर कुर्बानी हो और पर्दा आदि लगा कर करें। बैठक में निर्देश दिए कि प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी ना हो और कुर्बानी के अवशेषों को ढक कर ले जाएं यदि कोई व्यक्ति सूचना देता है और चाहता है कि सूचना देने पर उसका नाम उजागर ना हो तो हेल्पलाइन पर सम्पर्क करें, आपका नाम नहीं आएगा।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा की ऐसा सौहार्द बनाये कि झगड़े की मठिया का नाम अब सद्भावना की मठिया हो जाए।

बैठक में नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने कहा कि ईद-उल-जुहा के पर्व पर साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रहेगी और पानी की आपूर्ति पूरे दिन रखी जाएगी। आप सभी का सहयोग भी बना रहे कि कूड़े या अवशेष को खुले व नाली में ना फेकें। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री, पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक उपस्थित रहे।

क्लर्क को ट्रांसफर पर रिलीव न करने में घिरीं कृषि अधिकारी

बरेली। 20 साल बाद शासन से बमुश्किल ट्रांसफर होने के बाद एक साल से बाबू अमित कुमार वर्मा को अपने कार्यालय से रिलीव न करने के मामले में जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी घिर गई हैं। किसानों की शिकायत मिलने के बाद निवर्तमान भाजपा विधायक राजेश कुमार मिश्रा पप्पू भरतौल की तरफ से प्रमुख सचिव कृषि को इस मामले में पत्र लिख कर कार्रवाई की संस्तुति की गई थी। इसके बाद इस मामले की जांच शुरु हो गई है।

जिला कृषि अधिकारी कार्यालय के बाबू अमित कुमार वर्मा बीते 20 साल से एक ही पटल पर जमें हैं। 29 जून 2024 को कृषि निदेशालय ने उनका तबादला कृषि रक्षा विभाग में कर दिया था। मगर, जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी ने तबादला होने के एक साल बाद भी बाबू को अपने कार्यालय से रिलीव नहीं किया। उसकी वजह यह बताई गई कि बाबू का काम दूसरा कोई व्यक्ति कर ही नहीं सकता। मगर, बाबू को रिलीव न करने की वजह खाद-बीज की दुकानों के अलावा गैर लाइसेंसी दुकानों से प्रति माह होने वाली मोटी अवैध है।

कैंसर जैसी घातक बीमारियों को मिल रहा बढ़ावा

चिंताजनक : खेती से प्राप्त होने वाले खाद्यान्न में रसायन व कीटनाशक भारी मात्रा में पाया जा रहा है

पीलीभीत। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश आवाहन पर जिला अध्यक्ष एम0 ए0 जिलानी के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में कहा कि खेती में कीटनाशक रासायनिक खाद डालने का कोई मानक नहीं है। रासायनिक खाद का प्रयोग खेती में किया जा रहा है। सिंचाई के लिए प्रयोग किए जाने वाला जल पूरी तरीके से दूषित हो चुका है। खेती से प्राप्त होने वाले खाद्यान्न में रसायन व कीटनाशक भारी मात्रा में पाया जा रहा है, जिससे कैंसर जैसी घातक बीमारियों को बढ़ावा मिल रहा है।

» व्यापारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा, जताई चिंता

ज्ञापन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में फूड एक्ट का लाइसेंस न पाए जाने पर सजा का प्रावधान खत्म किया जाए और अधिकतम जुर्माने की धनराशि रजिस्ट्रेशन व लाइसेंस फीस की धनराशि से दोगुनी की जाए। राज्य सरकार द्वारा अपर जिला मजिस्ट्रेट को न्याय निर्णायक अधिकारी अधिसूचित किया गया है, परंतु प्रशासनिक कार्यों में व्यस्त रहने के कारण निर्णय में विलंब होता है, जिससे व्यापारियों को मानसिक और आर्थिक उत्पीड़न का शिकार होना पड़ रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा मल्टीनेशनल कंपनी वर्कशॉप सप्लाई चैन के डिलीवरी होने वाले सामानों की सैंपलिंग नहीं की जा रही है, जिसके लिए अनुरोध किया गया है कि ऑनलाइन फूड सप्लाई चैन के भी सैंपल नियम अनुसार सुरक्षित किए जाएं, जिससे आम जनता को सही सामान मिलना सुनिश्चित हो सके। प्रत्येक जिले में एक रजिस्ट्रेशन अथॉरिटी नियुक्त करने, रजिस्ट्रेशन अधिकारी को फील्ड का कार्य आवंटित न करने, सैंपलिंग के समय व्यापार मंडल के पदाधिकारी को मौके पर आमंत्रित करने, व्यापारी से विभाग के बिचौलियों द्वारा किसी भी प्रकार की अवैध वसूली न करने, सैंपलिंग टारगेट व्यवस्था को समाप्त करने, एक देश एक कानून एक अधिकारी एक दफ्तर की व्यवस्था को लागू करने की मांग ज्ञापन में शामिल है। ज्ञापन देने वालों में जिला अध्यक्ष एम0 ए0 जिलानी, पंकज अग्रवाल, प्रकाश बीर, राजेश अग्रवाल, विक्रांत मिश्रा, युवा जिला अध्यक्ष शैली शर्मा, ममनून, अरुण विश्वकर्मा, एडवोकेट आर0के0 शर्मा कानूनी सलाहकार, संजय पांडे, उज्जवल वर्मा, नीरज श्रीवास्तव, सपना यादव, शोभनी सिंह, सिद्धि अग्रवाल, परमजीत कौर, राकेश मित्तल बीसलपुर, पंकज अग्रवाल, मयंक अग्रवाल युवा अध्यक्ष, ऋषभ सिंह, विक्रम सिंह, विनोद अग्रवाल, साजिद अली, रामस्वरूप मौर्य, मोबिन मियां, शलभ गंगवार, प्रियंक कुमार, गौरव दीक्षित,असगर अली, शहबाज अहमद, इमरान कादरी, मोहम्मद अजीम, शेर सिंह, सुधीर पाल सिंह, मुनीम खान, मोहम्मद हसन खान, तनवीर खान शाहरुख खान , इमरान खान, मुस्तकीम खान, मोहसिन खान, सागर सैनी, आशीष लोधी, अभिलाष गुप्ता, संदीप सक्सेना आदि व्यापारी मौजूद रहे।

शुरू होगी चिकित्सालयों में कोविड की जांच

कोविड-19 की आगामी सम्भावित लहर पर प्रभावी नियंत्रण के संबध में बनी रणनीति

बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कोविड-19 की आगामी सम्भावित लहर पर प्रभावी नियंत्रण के सम्बंध में संवेदीकरण की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में बताया गया कि देश के कुछ भागों में कोविड-19 रोगियों की संख्या में मामूली वृद्धि परिलक्षित हुई है। इसके दृष्टिगत उचित होगा कि प्रदेश में कोविड-19 के प्रसार पर नियंत्रण किए जाने हेतु सर्विलांस गतिविधियों को सुदृढ़ीकृत किए जाने हेतु महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के निर्देशों के क्रम में बैठक बुलायी गयी है।

मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा बताया गया कि एंटीजन किट आ गयी है शीघ्र ही सरकारी चिकित्सालयों में कोविड की जांच आरम्भ कर दी जाएगी। ऐसे कोविड-19 धनात्मक रोगी जिनका आरटीपीसीआर जांच में सीटी वैल्यू 25 से कम हो, के नमूने Wholegenome sequencing (WGS) हेतु डिपार्टमेंट ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ प्रेषित किए जाएंगे ताकि कोविड-19 वायरस के प्रदेश में संचरित स्ट्रेन की जानकारी उपलब्ध हो सके। उन्होंने बताया कि जनपद बरेली में अभी तक कोविड-19 को कोई भी केस नहीं पाया गया है। 19 मई 2023 को जनपद में अंतिम केस मिला था। यदि जनपद में कोविड-19 रोगियों की संख्या में असामान्य वृद्धि परिलक्षित होती है तो चिकित्सालय में कोविड-19 से बचाव हेतु आवश्यक उपायों यथा मास्क का प्रयोग एवं हैंड हाइजीन तथा कप एटिकेट्स का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इम्यूनोकॉम्प्रोमाइज्ड रोगियों यथा कैंसर का उपचार करा रहे अथवा ऑर्गन ट्रांसप्लांट वाले रोगी तथा गंभीर सहरुगणताओं वाले रोगियों पर विशेष ध्यान दिया जाए। कोविड-19 की जांच रिपोर्ट हेत यूडीएसपी पोर्टल पर अपलोड किए जाने का प्राविधान का प्रयोग करते हुए प्रयोगशालाओं द्वारा दैनिक स्तर पर रिपोर्ट अपलोड की जाए। बरेली में पांच राजकीय कोविड चिकित्सालयों में 460 बेड व 19 प्राइवेट चिकित्सालयों में 2531 बेड कोविड पेशेंट हेतु आरक्षित हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 विश्राम सिंह, अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व) संतोष कुमार सिंह, आईएमए/रुहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज/एसआरएमएस/राजश्री चिकित्सा संस्थानों के प्रतिनिधि व एमओआईसी गण उपस्थित रहे।

» प्रयोगशालाओं द्वारा दैनिक स्तर पर रिपोर्ट अपलोड की जाए : सीएमओ

पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, चार गिरफ्तार

बरेली। किला क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने चार बदमाशों को पकड़ लिया। एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि एक सिपाही भी फायरिंग में घायल हो गया। पकड़े गए बदमाशों के पास से लूट के 50 हजार रुपये, मोबाइल फोन, आधार कार्ड, क्रेडिट कार्ड, तमंचे और घटना में इस्तेमाल की गई दो बाइक बरामद हुई हैं। इज्जतनगर के मुशीनगर विहार की रहने वाली शालू वर्मा ने 30 मई को पुलिस को बताया था कि वह किशन कुमार ज्वैलर्स की दुकान से लौट रही थीं। जैसे ही वह अपनी कार में बैठने लगीं, पीछे से बाइक सवार दो बदमाश आए और उनके कंधे से बैग झपटकर फरार हो गए।

बैग में करीब एक लाख रुपये नकद, एक ओप्पो मोबाइल, आधार कार्ड, क्रेडिट कार्ड और अन्य जरूरी दस्तावेज थे। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान रहीमुद्दीन, सोहिल, बिलाल और आसिफ नाम के चार युवकों के नाम सामने आए। रविवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि चारों आरोपी बाकरगंज से दौली रघुवर दयाल रोड पर किसी और वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही किला थाना प्रभारी राजेश कुमार और उनकी टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस को देख बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी।

फिर रची ट्रेन पलटाने की साजिश

बरेली। बीती रात खुराफाती तत्वों ने बरेली-पीलीभीत रेलखंड पर भोजीपुरा थाना क्षेत्र के दोहना में 05307 टनकपुर-बरेली जंक्शन पैसेंजर ट्रेन को पलटने की साजिश की। शरारती तत्वों ने रेलवे ट्रैक की कैंची में पत्थर भर दिए और दो स्थानों पर टीआरडी लाइन अर्थ लाइन को क्षतिग्रस्त कर उसके लोहे के एंगल को ट्रैक पर रख दिया। लोको पायलट ने शक होने पर इमरजेंसी ब्रेक लेकर ट्रेन को रोक दिया। इससे हादसा होने से टल गया।

टनकपुर-बरेली जंक्शन पैसेंजर ट्रेन टनकपुर से प्रतिदिन रात 9:30 बजे टनकपुर से चलने के बाद 12:55 बरेली जंक्शन आती है। यह ट्रेन रविवार रात 11:58 बजे दोहरा स्टेशन के पास पहुंची थी। लोको पायलट को ट्रैक क्लियर न होने की शक हुआ और उसने इमरजेंसी ब्रेक लेकर ट्रेन को रोक दिया। नीचे उतर कर देखा तो ओएचई का 8-टीडीआर और 4-टीडीआर अर्थ लाइन क्षतिग्रस्त थी। अर्थ लाइन के लोहे के एंगल को क्षतिग्रस्त करने के बाद रेल लाइन पर डाल दिया गया था। रेल ट्रैक की कैंची में पत्थर भरे हुए थे। लोको पायलट ने इसकी सूचना कंट्रोल रूम को दी।सूचना मिलने के बाद इंस्पेक्टर जीआरपी अभिषेक शर्मा और भोजीपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। 20 मिनट के बाद रेल लाइन को क्लियर कर ट्रेन को आगे रवाना किया गया है। मामले में आरपीएफ, जीआरपी और भोजीपुरा पुलिस संयुक्त जांच कर रही है। इंस्पेक्टर अभिषेक शर्मा ने बताया कि खुराफाती तत्वों की हरकत है। ट्रैक पर पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है। साजिश करने वालों की तलाश की जा रही है।टनकपुर-पीलीभीत-बरेली रेलखंड पर पहले भी इस तरह की वारदात होती रही हैं। गौर करने की बात यह है कि हालिया घटनाओं में एक का भी खुलासा नहीं हो सका है। बरेली-टनकपुर रेलखंड में हाफिजगंज थाने के दिवनापुर हॉल्ट के पास 17 नवंबर 2024 को रेलवे ट्रैक पर 1.25 मीटर लंबा और 31 किलो वजनी लोहे का टुकड़ा रख कर ट्रेन पलटने की साजिश हो चुकी है।

नाले में गिरा बालक, मौत

बरेली। थाना बारादरी क्षेत्र के संजय नगर में गुरुवार देर शाम एक दर्दनाक हादसे में 9 वर्षीय विराट यादव0की नाले में गिरने से मौत हो गई। मासूम विराट को परिजन रात भर ढूंढते रहे, लेकिन सफलता नहीं मिली। शुक्रवार सुबह मोहल्लेवालों द्वारा पत्थर हटाकर तलाश करने पर नाले में विराट का शव तैरता हुआ मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी गई है।

रणनीति ईद-उल-ज़ुहा की तैयारियों के संबंध में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

कुर्बानी स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने को कूड़ेदान की व्यवस्था अनिवार्य

शाहजहाँपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आगामी 07 जून को मनाए जाने वाले ईद-उल-ज़ुहा पर्व की तैयारियों के संबंध में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी, नगर आयुक्त विपिन कुमार मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, ईदगाह कमेटी के सदस्य, धर्मगुरु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने हेतु आवश्यक समस्त तैयारियाँ समयबद्ध रूप से पूर्ण कर ली जाएँ। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि किसी भी नई परंपरा की शुरुआत न की जाए और पर्व को परंपरागत एवं निर्धारित स्थलों पर ही मनाया जाए। जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त विपिन कुमार मिश्रा को निर्देश दिए कि नगर क्षेत्र में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। विशेष रूप से त्योहार के दिन पूर्व चूना छिड़काव, नालियों की सफाई एवं कचरा निस्तारण जैसे कार्यों को प्राथमिकता पर कराया जाए। साथ ही उन्होंने 7,8,9 मई को जलापूर्ति और विद्युत आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सामूहिक कुर्बानी स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने हेतु जल के टैंकर एवं पर्याप्त संख्या में कूड़ेदान की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए।

उन्होंने मुस्लिम समुदाय के धर्मगुरुओं एवं नागरिकों से अपील की है कि कुर्बानी के उपरांत उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट को सड़कों, गलियों या सार्वजनिक स्थलों पर न फेंका जाए, बल्कि उसे पॉलीथिन में बंद कर निर्धारित कूड़ेदान में ही रखा जाए, जिससे स्वच्छता एवं जनस्वास्थ्य को लेकर किसी प्रकार की असुविधा उत्पन्न न हो। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी दशा में प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी नहीं की जानी चाहिए। धार्मिक सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखने पर बल देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि ईद-उल-ज़ुहा का पर्व पारस्परिक भाईचारे और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया जाए। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और यदि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न हो तो तत्काल स्थानीय प्रशासन को सूचित करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति सामाजिक सौहार्द को भंग करने या कानून व्यवस्था में व्यवधान डालने का प्रयास करता है, तो उसके विरुद्ध सख्त विधिक कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री राजेश द्विवेदी ने जानकारी दी कि त्योहार के दौरान जिले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। विशेष रूप से ईदगाह, मस्जिदों एवं सामूहिक कार्यक्रम स्थलों के आस-पास पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। उन्होंने सभी नागरिकों को ईद-उल-ज़ुहा की शुभकामनाएँ देते हुए आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है। विभिन्न धर्मों के गुरुओं एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की भी सहभागिता रही। अपर जिलाधिकारी न्यायिक राशिद अली, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेन्द्र कुमार, एसपी सिटी देवेन्द्र कुमार, सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ट्रेनों में मोबाइल चुराने वाला प्रेमी जोड़ा गिरफ्तार, अमृतसर के होटल में रुकते थे दोनों; काले कारनामें की पूरी कहानी

- दिल्ली-लुधियाना ट्रेन में प्रेमी जोड़ा गिरफ्तार।
- सात कीमती मोबाइल फोन बरामद।
- चोरी के मोबाइल अमृतसर में बेचते थे।

लुधियाना। दिल्ली से लुधियाना आ रही ट्रेन में पुलिस ने रविवार को एक प्रेमी जोड़े को गिरफ्तार कर सात कीमती मोबाइल बरामद किए। जीआरपी प्रभारी पलविंदर सिंह ने बताया कि अमृतसर का प्रेमी जोड़ा मनमीत सिंह और शिल्पी लंबे समय से ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल चोरी करके अमृतसर में ही रेलवे स्टेशन के पास दुकान करने वाले गोरे नामक युवक को बेचते थे।

दुकानदार गोरा आगे मोबाइल की बिक्री करके प्रेमी जोड़े को उनके हिस्से के पैसे देता था। यही नहीं यह प्रेमी जोड़ा मोबाइल के अलावा रेल यात्रियों के अन्य कीमती सामान पर भी हाथ साफ कर देता था। पुलिस के अनुसार मनमीत मोहाली और शिल्पी पानीपत की रहने वाली है। दोनों अमृतसर के रेलवे स्टेशन के पास ही किसी होटल में रहते थे और वहीं से ट्रेनों में सवार होकर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे।

अब जीआरपी की पुलिस अमृतसर में गोरे नामक दुकानदार की तलाश में जुटी है। इसके अलावा यह प्रेमी जोड़ा किस होटल में कब से रह रहा था, इसके बारे में भी पुलिस जानकारी जुटाएगी। जीआरपी प्रभारी ने बताया कि मनमीत सिंह और शिल्पी को अदालत में पेश करके दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

यूक्रेन ने किया रूस के एयरबेस पर बड़े हमले का दावा

ड्रोन अटैक में मार गिराए 40 लड़ाकू विमान

- रूस के 40 एयरक्राफ्ट मार गिराने का दावा
- टीयू-95 और टीयू-22 बॉम्बर तबाह
- लंबी रेज की मिसाइलें दागने के लिए होता था इस्तेमाल

नई दिल्ली। एक तरफ रूस और यूक्रेन के बीच जंग खत्म करने के लिए शांति वार्ता का प्रयास जारी है, वहीं दूसरी तरफ दोनों देश एक-दूसरे पर ताबड़तोड़ हमले कर रहे हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, यूक्रेन के रक्षा सूत्रों ने रूस के 40 एयरक्राफ्ट मार गिराने का दावा किया है।

यूक्रेन की डोमेस्टिक सिक्योरिटी एजेंसी एसबीयू के एक अधिकारी ने कहा कि यूक्रेन ने कई ड्रोन हमले करके रूस के करीब 40 मिलिट्री एयरक्राफ्ट को निशाना बनाया है। इस हमले में रूस के टीयू-95 और टीयू-22 बॉम्बर तबाह हो गए हैं, जिनका इस्तेमाल लंबी रेज की मिसाइलों को दागने के लिए किया जाता था।

रूस के हमले में भी कई मौतें

रूस के मरमंस्क शहर के गवर्नर ने भी माना है कि दुश्मन के ड्रोन्स ने इलाके पर हमला किया है। वहीं दूसरी तरफ रूसे की स्ट्राइक में 12 यूक्रेनी सैनिक भी मारे गए हैं। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, रूस ने रविवार को यूक्रेन की मिलिट्री ट्रेनिंग यूनिट पर मिसाइल स्ट्राइक की।

बता दें कि यह ट्रेनिंग कैंप एक्टिव फ्रंट लाइन से करीब 1000 किलोमीटर दूर स्थित है। लेकिन बावजूद इसके रूस यहां ड्रोन से हमला करने में सक्षम है। बताया कि हमले की स्थितियों की जांच के लिए यूक्रेन एक इन्वेस्टिगेशन कमीशन बनाएगा।

इस्तांबुल में फिर होगी शांति वार्ता

अगले सप्ताह इस्तांबुल में रूस और यूक्रेन के बीच एक बार फिर शांति वार्ता की शुरुआत हो रही है। शांति वार्ता के इस नए दौर से दुनिया को काफी उम्मीदें हैं। रूस ने कहा है कि वह वार्ता के दौरान एक मेमोरेंडम प्रस्तुत करेगा।

हालांकि यूक्रेन को अभी भी रूस पर भरोसा नहीं है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा है कि रूस इस्तांबुल में क्या करने जा रहा है, इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि रूस को डिप्लोमेसी के साथ खेलना बंद कर युद्ध को समाप्त करने की ओर बढ़ना चाहिए।

कुत्ता ढूंढने वाले को 5100 रुपये का इनाम...

- यूपी के बुलंदशहर में लगे पोस्टर; पुलिस ने भी दर्ज की गुमशुदगी की रिपोर्ट
- कुत्ता ढूंढने पर 5100 रुपये का इनाम।
- अमेरिकन बुली नस्ल का कुत्ता लापता।
- गुमशुदगी दर्ज, पुलिस कर रही तलाश।

जहांगीराबाद। अभी तक आपने केवल महिला, आदमी व बच्चे को ढूंढने वाले को नकद इनाम देने की घोषणा सुनी होगी लेकिन थाना क्षेत्र में पहली बार किसी कुत्ता स्वामी ने कुत्ता ढूंढने वाले को 5100 रुपये नकद इनाम देने की घोषणा करते हुए सभी को आश्चर्यचकित कर दिया।

पूरे क्षेत्र में हजारों की संख्या में पोस्टर भी लगवाए हैं। थाना क्षेत्र के गांव प्रेम नगर निवासी युवक अभिषेक चौधरी पुत्र स्वर्गीय राजेश चौधरी का अमेरिकन बुली नस्ल का कुत्ता 26 मई की सुबह से लापता है। कुत्ता स्वामी अभिषेक चौधरी ने बताया कि वह प्रतिदिन की तरह अपने कुत्ते (टाइगर) के साथ सुबह टहलने गया था।

आमतौर पर कुत्ता घर के आस-पास से वापस लौट आता था। लेकिन उस दिन वह वापस नहीं आया। उन्होंने आस-पास के इलाके में काफी खोजबीन की, लेकिन कुत्ते का कोई भी सुराग नहीं मिला। वहीं अभिषेक ने अपने कुत्ते को खोजने के लिए हजारों की संख्या में पोस्टर छपवाए हैं। ये पोस्टर पूरे नगर थाना क्षेत्र में कई जगहों पर लगाए गए हैं।

पोस्टर में कुत्ते को ढूंढकर लाने वाले को 5100 रुपये का नगद इनाम देने की घोषणा की गई है। साथ ही यह भी कहा गया है कि कुत्ता खोजने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। पोस्टर लगते ही नगर में हर जगह कुत्ते को खोजने की चर्चाएं चल रही है।

कोतवाली प्रभारी रामपाल सिंह ने बताया कि कुत्ता स्वामी गांव प्रेमनगर निवासी अभिषेक चौधरी की तहरीर पर गुमशुदगी दर्ज गई है। जल्द ही कुत्ते का पता लगाकर कुत्ता स्वामी को सौंप दिया जाएगा।

यूपी के मदरसों में होगी कामिल और फाजिल की परीक्षा, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला; 50 हजार छात्रों को राहत

- मान्यता प्राप्त मदरसों में होगी परीक्षा
- चीफ जस्टिस की पीठ ने की सुनवाई
- अंजुम कादरी के फैसले को आधार बनाया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के मदरसों में कामिल (स्नातक) और फाजिल (स्नातकोत्तर) की पढ़ाई कर रहे छात्रों की परीक्षा कराए जाने और डिग्री देने की मांग वाली याचिका पर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट ने ये नोटिस टीचर्स एसोसिएशन मदारिस अरबिया की ओर से दाखिल याचिका पर जारी किया है। टीचर्स एसोसिएशन मदारिस अरबिया की याचिका में मांग की गई है कि सुप्रीम कोर्ट राज्य सरकार को निर्देश दे कि उत्तर प्रदेश के मान्यता प्राप्त मदरसों में कामिल और फाजिल की पढ़ाई कर रहे छात्रों की परीक्षा कराने और डिग्री देने के लिए वह ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती लैंग्वेज यूनीवर्सिटी लखनऊ को अधिकृत करे।

चीफ जस्टिस बीआर गवई की पीठ ने की सुनवाई

यह भी मांग की गई है कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती लैंग्वेज यूनीवर्सिटी लखनऊ को निर्देश दिया जाए कि वह यूजीसी एक्ट की धारा 22 के अनुसार कामिल और फाजिल की परीक्षा कराए, नतीजे घोषित करे और डिग्री दे। ये नोटिस प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई, अगस्टिन जार्ज मसीह और एएस चंदुरकर की पीठ ने 30 मई को टीचर्स एसोसिएशन मदारिस अरबिया यूपी की याचिका पर सुनवाई के बाद दिये।

कोर्ट ने याचिका पर नोटिस जारी करने के साथ ही इस याचिका को इसी मसले पर पहले से लंबित याचिका के साथ सुनवाई के लिए संलग्न करने का भी आदेश दिया है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के अंजुम कादरी मामले में पिछले वर्ष दिए गए फैसले का हवाला दिया गया है जिसमें कोर्ट ने यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट को वैध ठहराया था और कहा था कि यह मदरसा की शिक्षा को नियमित करता है लेकिन उस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मदरसों को कामिल और फाजिल डिग्री देने का अधिकार नहीं है।

50000 छात्रों के भविष्य का सवाल

कोर्ट ने मदरसों की कामिल फाजिल डिग्री को यूजीसी एक्ट का उल्लंघन मानते हुए असंवैधानिक घोषित कर दिया था। याचिकाकर्ता का कहना है कि अंजुम कादरी के फैसले को आधार बना कर मदरसा एजूकेशन बोर्ड के रजिस्ट्रार ने 16 जनवरी 2025 को उत्तर प्रदेश के सभी डिस्ट्रिक माइनेरिटी वेलफेयर ऑफिसर को पत्र भेज कर कहा है कि पूरे राज्य में किसी भी मदरसे को कामिल और फाजिल पाठ्यक्रम पढ़ाने का अधिकार नहीं है और मदरसा एजूकेशन बोर्ड को कामिल और फाजिल की डिग्री देने का अधिकार नहीं है।

अब्बास अंसारी की मऊ सदर सीट रिक्त घोषित, चुनाव आयोग भेजी गई अधिसूचना

- रविवार को अवकाश के दिन सचिवालय खोलकर जारी किया गया आदेश
- छह माह के अंदर होगा उपचुनाव, सुभासपा विधायकों की संख्या हुई पांच

लखनऊ। भड़काऊ भाषण देने के मामले में माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी की विधायकी खत्म हो गई है। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे ने उनकी मऊ विधान सभा सीट 31 मई से रिक्त घोषित कर दी है। इसके लिए रविवार को छुट्टी के दिन सचिवालय खोला गया। सीट रिक्त होने की अधिसूचना चुनाव आयोग भेज दी गई है। अब छह माह के अंदर इस विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव कराया जाएगा।

अब्बास अंसारी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के विधायक हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण और चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन के मामले में निर्णय शनिवार को हुआ। अब्बास इस मामले का दोषी करार देते हुए दो साल की सजा सुनाई गई। इसके साथ ही अलग-अलग धाराओं के तहत कुल 11 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। मऊ सीट रिक्त होने से सुभासपा के अब छह में से पांच विधायक रह गए हैं।

अब्बास सुभासपा के टिकट पर वर्ष 2022 का विधानसभा चुनाव जीते थे। तब सुभासपा व सपा का चुनावी गठजोड़ था। सीट वितरण समझौते में सपा के अब्बास अंसारी को सुभासपा ने अपने टिकट पर चुनाव लड़ाया था। अब्बास से पहले अब तक 18 वीं विधानसभा में पांच सदस्यों की विधायकी जा चुकी है।

इनमें इरफान सोलंकी, आजम खां, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खां, राम दुलार गोंड, विक्रम सैनी शामिल हैं। इन सभी को विभिन्न मामलों में अदालत ने दो वर्ष या उससे ज्यादा की सजा सुनाई और इस कारण इनकी सदस्यता चली गई थी।

जम्मू के सीमावर्ती अस्पतालों में मिलेंगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, विशेषज्ञ डॉक्टर होंगे नियुक्त

- सीमावर्ती अस्पतालों में बढ़ेंगी स्वास्थ्य सुविधाएं।
- विशेषज्ञ डॉक्टरों की होगी नियुक्ति।
- नैदानिक सुविधाओं में होगा सुधार।

जम्मू। जम्मू संभाग के सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित अस्पतालों में आने वाले दिनों में सुविधाओं में सुधार होगा। इन अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति के साथ नैदानिक सुविधाएं भी बढ़ाई जाएंगी। इसके लिए स्वास्थ्य निदेशालय जम्मू कदम उठा रहा है। पाकिस्तान द्वारा हाल में सीमावर्ती क्षेत्रों में हुई गोलाबारी के दौरान स्वास्थ्य निदेशक जम्मू डॉ. अब्दुल हमीद जरगर पुंछ और राजौरी जिलों में सुविधाओं का जायजा लेने गए थे। जम्मू संभाग में तीन जिले कठुआ, सांबा और जम्मू अंतरराष्ट्रीय सीमा, जबकि राजौरी और पुंछ नियंत्रण रेखा के पास हैं।

इन सभी जिलों में कई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उप जिला अस्पताल और जिला अस्पताल भी हैं, लेकिन अधिकतर में डाक्टरों व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की कमी बनी हुई है। नियंत्रण रेखा से मात्र कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित चौकीचौरा ट्रामा अस्पताल में भी स्टाफ के साथ सुविधाओं की कमी है।

कोई भी आपदा हो तो घायलों को इलाज के लिए इन जिलों के मेडिकल कॉलेजों में ही लाया जाता है। राजकीय मेडिकल कालेज जम्मू में सबसे अधिक घायल लाए जाते हैं। ऐसा न हो, इसके लिए सीमांत क्षेत्रों के अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ाने की तैयारी है।

स्वास्थ्य निदेशक जम्मू डॉ. अब्दुल हमीद जरगर ने दैनिक जागरण को बताया कि बहुत से डाक्टर ऐसे हैं जिनके पास पीजी की डिग्री है, लेकिन वे ऐसे केंद्रों में हैं जहां पर उनकी जरूरत नहीं है। ऐसे डाक्टरों को जिला और उप जिला अस्पतालों में तैनात किया जाएगा।

सीमावर्ती क्षेत्रों के अस्पतालों में विशेषज्ञ डाक्टरों की नियुक्ति होगी ताकि वहां के मरीजों को इलाज के लिए अन्य अस्पतालों में आने की जरूरत न पड़े। उन्होंने कहा कि वह स्वयं इन क्षेत्रों में स्थित अस्पतालों में सुविधाओं का जायजा ले रहे हैं। राजौरी और पुंछ दोनों ही जिलों में उस समय गए थे जब वहां पर गोलाबारी हो रही थी। अन्य जिलों का दौरा कर भी सुविधाओं की समीक्षा कर उन्हें बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

मूल स्थान पर ज्वाइन न करने वालों का रोकेंगे वेतन

जम्मू के शहरी क्षेत्रों में स्थित अर्बन हेल्थ सेंटरों में भी स्टाफ की स्थिति का जायजा लेने के साथ वहां पर आने वाले मरीजों की संख्या का आकलन भी होगा। इसके बाद जरूरत के अनुसार इन सेंटरों में स्टाफ की तैनाती की जाएगी।

जम्मू संभाग के सभी अस्पतालों में अटैच स्टाफ को पहले से ही अपने मूल स्थानों पर भेजने के सभी मुख्य स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। अगर कोई अपने मूल स्थान पर ज्वाइन नहीं कर रहा है तो उसका वेतन रोकने को कहा गया है। स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

यूपी में मां-बेटी को बदनाम करने की घिनौनी साजिश, फर्जी आईडी से रिश्तेदारों को भेजे अश्लील मैसेज

लखनऊ। आशियाना निवासी महिला और उसकी शादीशुदा बेटी को फर्जी आइडी से लगातार अश्लील मैसेज किए जा रहे हैं। दोनों को बदनाम करने की साजिश रची गई है। इसी के तहत रिश्तेदारों और करीबियों को दोनों के संबंध में अश्लील मैसेज और फोटो भेजे जा रहे हैं।

यह सिलसिला काफी दिनों से चल रहा है। परेशान मां-बेटी ने शनिवार को आशियाना थाने में शिकायत की। इंस्पेक्टर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपित की तलाश में टीम लगा दी है।

कानपुर रोड स्थित एलडीए कालोनी में रहने वाली महिला के मुताबिक काफी दिनों से फर्जी आइडी पर बनाए गये इंस्टाग्राम से उनके पास अश्लील मैसेज भेजे जा रहे थे। काल कर लगातार अश्लील शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है।

महिला ने जब आइडी ब्लाक कर फोन उठाना बंद किया, तो पंजाब में रहने वाली उसकी शादीशुदा बेटी को फेक आइडी से अश्लील मैसेज भेजना शुरू कर दिया। उसे भी काल कर भी परेशान किया जाने लगा।

बेटी ने भी मां के कहने पर फोन उठाना बंद कर दिया। आइडी ब्लाक कर दिया। इसके बाद आरोपितों के कारनाम नहीं रूके। वह बेटी के ससुराल वालों और महिला के करीबी रिश्तेदारों को उनके बारे में अश्लील मैसेज और फोटो भेजना शुरू कर दिया।

महिला का आरोप है उनको और बेटी को बदनाम करने की साजिश है। इसके कारण दोनों काफी दिनों से मानसिक तनाव में है। करीबी परिचितों से इस संबंध में जानकारी दी तो पुलिस में शिकायत करने की बात कही। शनिवार को आशियाना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया। वहीं पुलिस मोबाइल नंबर व इंस्टाग्राम आइडी के आधार पर आरोपित की तलाश में जुटी है।

नवादा के लोगों की बल्ले-बल्ले, 14 प्रखंडों में बनेगा कोल्ड स्टोरेज

- किसानों को उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा।
- सब्जी उत्पादकों के लिए विशेष योजना।
- युवाओं को नौकरी देने का वादा पूरा।

नवादा। सरकार की मदद से किसानों को अब अधिक लाभ मिल रहा है। सरकार किसानों की उपज को बेहतर न्यूनतम समर्थन मूल्य दिला रही है।

रबी में पहले गेहूं की सरकारी खरीद पर एमएसपी पहले 2275 रुपये थी, जिसे सरकार ने बढ़ाकर अब 2425 रुपये कर दी है। इससे किसानों को बाजार से अब अच्छा मूल्य मिलने लगा है। सरकार किसानों के साथ हमेशा खड़ी है।

उक्त बातें बिहार सरकार में सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने रविवार को नवादा में प्रेस वार्ता के दौरान कहीं। सर्किट हाउस के सभागार में मंत्री ने कहा कि सब्जी उत्पादक किसानों को सरकार बेहतर लाभ दिलाने के लिए विशेष योजना लेकर आई है।

राज्य के सभी जिलों के सभी प्रखंडों में प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहकारी समिति बनाकर उन किसानों के लिए गोदाम, कोल्ड स्टोरेज का निर्माण कराएगी। कोल्ड स्टोरेज बनने से सब्जियों का सुरक्षित भंडारण किया जा सकेगा। इससे सब्जी उत्पादक किसानों को पहले की तुलना में अधिक लाभ होगा।

पहले सब्जियां खराब हो जाती थी उसे बचाया जा सकेगा। सहकारिता विभाग ने यह तय किया है कि सभी प्रखंडों में 10 हजार वर्ग फीट जमीन उपलब्ध कराई जाएगी।

नवादा जिले के सभी 14 प्रखंडों में इस तरह का कोल्ड स्टोरेज और गोदाम बनना है। इसके लिए जिलाधिकारी को जल्द जमीन आवंटित कराने के लिए कहा गया है।

मंत्री ने प्रेस वार्ता के दौरान ही इस बारे में जिलाधिकारी से बात की। मंत्री ने बताया कि 10 टन क्षमता का कोल्ड स्टोरेज व 20 टन का गोदाम बनाया जाएगा। इसके अलावा वहीं पर कार्यालय, पार्किंग व दूसरी जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध होगी।

25 प्रतिशत तक आर्गेनिक सब्जी उपजाने पर दिया जा रहा जोर

सहकारिता मंत्री ने कहा कि सब्जी की उपज में 25 प्रतिशत आर्गेनिक सब्जी उपजाने के लिए किसानों को प्रेरित किया जाएगा। बाजार में इस विशेष सब्जी की अच्छी कीमत मिलती है।

इसके साथ ही सभी तरह की सब्जी उत्पाद में से महत्वपूर्ण फसल जैसे टमाटर, आलू की प्रोसेसिंग पर भी प्रयास करके किसानों की आमदनी को बढ़ाया जाएगा।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि सब्जी और खरीफ, रबी के अलावा सूबे में मछली उत्पादन, दूध उत्पादन को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जा रहा है। सहकारिता के माध्यम से किसानों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है।

राज्य सरकार युवाओं को निरंतर उपलब्ध करा रही नौकरी

सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि राज्य सरकार ने दस लाख युवाओं को नौकरी देने का जो भरोसा दिया था, उसपर पूरी तरह से खरी उतर रही है। सभी विभाग में रिक्तियों के अनुसार बहाली हो रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, वन विभाग सभी जगह जो भी रिक्तियां हैं उसे शीघ्र भरा जा रहा है।

12 लाख युवाओं को नौकरी देने के लक्ष्य को हासिल किया जाएगा। इस प्रेस वार्ता में रजौली के पूर्व विधायक कन्हैया कुमार, भाजपा नेता मनोज चंद्रवंशी, जिला सहकारिता पदाधिकारी संतोष कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

एक नजर

क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

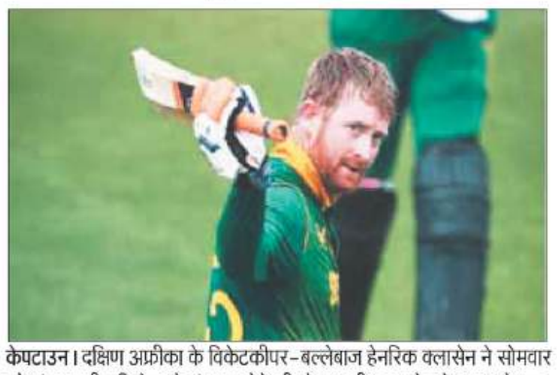

केपटाउन। दक्षिण आफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। क्लासेन ने आज सोशल मीडिया मंच पर अपने संन्यास की घोषणा की। क्लासेन ने पिछले वर्ष टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। अब उन्होंने एकदिवसीय और टी-20 से भी संन्यास ले लिया है। उन्होंने वर्ष 2018 में दक्षिण आफ्रीका के लिए क्रिकेट में पदार्पण किया था। क्लासेन ने सोशल मीडिया मंच इंस्टग्राम पर लिखा, "यह मेरे लिए दुखद दिन है क्योंकि मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रहने कि घोषणा कर रहा हूं। मुझे यह तय करने में काफी समय लगा कि मेरे और मेरे परिवार के भविष्य के लिए क्या सबसे अच्छा होगा। यह वास्तव में एक बहुत ही कठिन निर्णय था, लेकिन साथ ही मैं इस निर्णय से पूरी तरह से संतुष्ट हूं।" उन्होंने दक्षिण आफ्रीका के लिए चार टेस्ट, 60 एकदिवसीय और 58 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। उन्होंने चार टेस्ट में 104 रन, 60 एकदिवसीय में 2141 रन और 58 टी-20 में एक हजार रन बनाए।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अर्जेंटीना से 2-4 से हारी

(अर्जेंटीना)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को अपने अंतिम मुकाबले में मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। चार देशों के टूर्नामेंट में अर्जेंटीना के खिलाफ भारतीय टीम की ओर से कनिका सिवाच ने (11वें और 45वें)मिनट में दो गोल किए। खेल पहले क्वार्टर में चार गोल हुये। अर्जेंटीना की सोल गुइग्नेट गुनाजू ने (पांचवें) मिनट में पहला गोलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके दो मिनट के बाद सोल ओलाला डी लाबरा ने (सातवें) मिनट में गोलकर बढ़त को दोगुना कर दिया। भारत की ओर से 11वें मिनट में कनिका सिवाच गोल के अंतर को कम किया। हालांकि, अर्जेंटीना ने तेजी से जवाब दिया, 13वें मिनट में मिलग्रोस डेल वैले अलास्ट्रा ने गोल कर स्कोर को 3-1 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में अर्जेंटीना के लिए 37वें मिनट में मैविसमा डुपोर्टल के जरिये अपना चौथा गोल दागा। कनिका ने 45वें मिनट में खेल का अपना दूसरा गोल किया, जिससे भारत को उम्मीद की किरण दिखाई दी, लेकिन अर्जेंटीना ने अंतिम क्वार्टर में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 4-2 से जीत दर्ज की।

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट : गुकेश ने वर्ल्ड नंबर-1 को हराया

गुस्से में कार्लसन ने बोर्ड पर मुक्का मारा, पहले कहा था- मुझे हराने वाला कोई नहीं

एजेंसी

नॉर्वे। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश (वर्ल्ड नंबर-5) ने नॉर्वे चेस टूर्नामेंट के छठे राउंड में वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को हरा दिया। यह गुकेश की क्लासिकल चेस में कार्लसन के खिलाफ पहली जीत है। इस जीत के साथ 19 साल के गुकेश नॉर्वे शतरंज 2025 की पॉइंट्स टेबल में 8.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि कार्लसन और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फाबियानो कारुआना 9.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं।

हार के बाद कार्लसन ने गुस्से में चेस बोर्ड पर मुक्का मारा, जिससे मोहरे बिखर गए। हालांकि बाद उन्होंने गुकेश से माफी मांगी और उनकी पीठ भी थपथपाई। इसके बाद उन्होंने मीडिया से बात नहीं की और चले गए। टूर्नामेंट का पहला राउंड इन्हीं दोनों के बीच खेला गया था। उस मैच में पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन कार्लसन ने गुकेश को हरा दिया था। इससे पहले, गुकेश के वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद कार्लसन ने कहा था, 'मैं वर्ल्ड चैंपियनशिप में नहीं खेलता। वहां मुझे हराने वाला कोई नहीं है।' गुकेश ने दिसंबर में सिंगापुर में खेले गए वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से फाइनल में हराकर खिताब जीता था। 18 साल की उम्र में वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कास्पारोव ने 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था। गुकेश ने चीनी खिलाड़ी को 14वें गेम में हराकर यह टाइटल जीता था। 25 नवंबर को चैंपियनशिप का फाइनल शुरू हुआ था, 11 दिसंबर तक दोनों के बीच 13 गेम खेले गए। 10 से 23 सितंबर तक पिछले साल बुडापेस्ट में चेस ओलिंपियाड का आयोजन हुआ था। भारत ओपन और विमेंस दोनों कैटेगरी में चैंपियन बना था। ओपन कैटेगरी में गुकेश ने ही फाइनल गेम जीतकर भारत को जीत दिलाई थी। क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज ये चेस के फॉर्मेट हैं। क्लासिकल गेम में खिलाड़ियों को सोचने और रणनीति बनाने के लिए सबसे ज्यादा समय दिया जाता है। यह शतरंज का सबसे पारंपरिक और गंभीर फॉर्मेट माना जाता है। इसमें आमतौर पर प्रत्येक खिलाड़ी को 90 से 120 मिनट मिलते हैं, और अक्सर 40 चालों के बाद अतिरिक्त समय भी। वहीं, रैपिड में 60 मिनट से कम और ब्लिट्ज में 10 मिनट या उससे कम समय मिलता है।

पाकिस्तान ने बंगलादेश को सात विकेट से हराया और सीरीज भी जीती

लाहौर। मोहम्मद हारिस (नाबाद 107) और सैम अयूब (45) रनों की शानदार पारियों के दम पर पाकिस्तान ने तीसरे टी-20 मुकाबले में बंगलादेश को 16 गेंदे शेष रहते सात विकेट से हरा दिया। इसी के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में रविवार रात खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश ने परवेज हुसैन इमॉन (66), तंजिद हसन (42), मो. तौहीद हृदोय (25) और कप्तान लिटन कुमार दास (22) के योगदान से निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट के नुकसान पर 196 रन का स्कोर खड़ा किया। पाकिस्तान की ओर से हसन अली और अब्बास अफरीदी ने दो-दो विकेट लिये। फहीम अशरफ और शादाब खान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। 197 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान (एक) का विकेट गवां दिया। इसके बाद मोहम्मद हारिस ने सैम अयूब के साथ दूसरे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की। 10वें ओवर में तनजीम हसन साकिब ने सैम अयूब 29 गेंदों में (45) रन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। हसन नवाज 13 गेंदों में (26) रन बनाकर तीसरे विकेट के रूप में आउट हुये। मोहम्मद हारिस ने 46 गेंदों में आठ चौके और सात छक्के लगाते हुए (नाबाद 107) रनों की मैच विजयी पारी खेली। पाकिस्तान ने 17.3 ओवर में तीन विकेट पर 197 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। बंगलादेश की ओर से मेहदी हसन मिराज ने दो और तनजीम हसन साकिब ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

सेंसेक्स 77 अंक गिरकर 81,373 पर बंद

निफ्टी में भी 34 अंक की गिरावट रही, बैंकिंग और IT शेयर टूटे

» पिछले हफ्ते बाजार में रही थी गिरावट

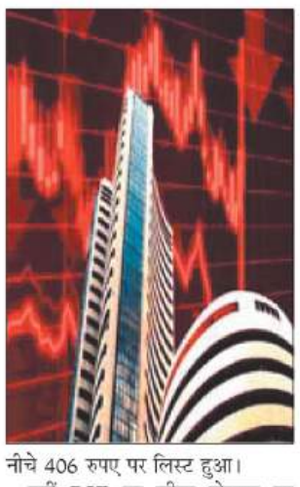

एजेंसी

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 2 जून को गिरावट रही। सेंसेक्स 77 अंक गिरकर 81,373 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 34 अंक की गिरावट रही। ये 24,716 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 11 में तेजी है। बैंकिंग, ऑटो और IT शेयर में गिरावट रही। वहीं FMCG और एनर्जी शेयर्स में बढ़त देखने को मिली है। लग्जरी होटल चेन 'द लीला' की पेरेंट कंपनी श्लॉस बैंगलोर लिमिटेड का शेयर आज NSE पर 1.20 रुपए (0.28%) की गिरावट के साथ 433.80 रुपए पर बंद हुआ। इससे पहले इसका शेयर आज NSE पर 6.67% नीचे 406 रुपए पर लिस्ट हुआ।

वहीं BSE पर लीला होटल्स का शेयर 6.55% के डिस्काउंट के साथ 406.50 रुपए पर लिस्ट हुआ। इसके शेयर का इश्यू प्राइस 435 रुपए प्रति शेयर था। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 494 अंक (1.30%) गिरकर 37,470 पर बंद हुआ। कोरिया का कोस्पी 1 अंक चढ़कर 2,698 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 131 अंक (0.57%) गिरकर 23,157 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं चीन का शंघाई कंपोजिट आज बंद रहा। 30 मई को अमेरिका का डाउ जोन्स 54 अंक चढ़कर 42,270 पर बंद हुआ। वहीं नैस्डेक कंपोजिट 62 अंक गिरकर 19,113 पर और S&P 500 5,911 पर फ्लैट बंद हुआ। इससे पहले पिछले हफ्ते के आखिरी दिन यानी शुक्रवार, 30 मई को भी शेयर बाजार में गिरावट रही थी। सेंसेक्स 182 अंक गिरकर 81,451 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 83 अंक की गिरावट रही, ये 24,751 के स्तर पर बंद हुआ था।

टेस्ला भारत में कारें नहीं बनाएगी सिर्फ दो शो-रूम खोलेगी

» सरकार ने इंपोर्ट ड्यूटी 70% से घटाकर 15% किया

एजेंसी

मुंबई। इलॉन मस्क की इलेक्ट्रिक कार मेकर कंपनी टेस्ला फिलहाल भारत में कारें बनाने की योजना नहीं बना रही है। भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा कि टेस्ला सिर्फ दो शो रूम खोलना चाहती है, मैन्युफैक्चरिंग में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं है।

कंपनी ने मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में शो रूम के लिए जगह फाइनल की है और 25 से ज्यादा लोगों की भर्ती भी कर ली है, लेकिन लोकल प्रोडक्शन अभी कंपनी के एजेंडे में नहीं है। इलॉन मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला भारत में अपनी एंट्री डायरेक्ट-टू-कस्टमर (D2C) बिजनेस करेगी। इसका मतलब यह हुआ कि कंपनी भारत में कार बनाने की जगह सीधा अमेरिका से इंपोर्ट कर अपने भारतीय स्टोर्स से बेचेगी।कंपनी भारत में मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट लगाने और कार बनाने का प्लान बाद में करेगी।

केंद्र सरकार ने भारत को इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाने के अपने विजन के तहत EV पॉलिसी- 'स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ मैन्यूफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक पैसेंजर कार्स इन इंडिया' यानी को पिछले साल मार्च में मंजूरी दी थी।

बैंकों से मिलने वाला कर्ज सस्ता हो सकता है

ब्याज दर में 0 .25% की कटौती संभव, 4-6 जून को होनी है RBI मीटिंग

» आरबीआई गवर्नर ने भी संकेत दिए थे महंगाई काबू में रहती है तो दरें और घट सकती हैं

एजेंसी

मुंबई। आने वाले दिनों में लोन लेना सस्ता हो सकता है। इस महीने 4 से 6 जून को RBI की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग होनी है। एक्सपर्ट्स के अनुसार मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी इस बार भी रेपो रेट में 0.25% कटौती कर सकती है। इससे पहले हुई दो बैठक में 0.50% की कटौती हो चुकी है। इससे रेपो रेट गिरकर 6% पर आ गई है। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 RBI के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।

सभी फैक्टर रेट कट के पक्ष में

एसबीआई सिक्युरिटीज के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट सनी अग्रवाल ने बताया कि सभी फैक्टर रेट कट के लिए बिल्कुल मुफीद हैं। मानसून सामान्य रहने के आसार हैं। जीडीपी ग्रोथ स्थिर है। महंगाई काबू में है। रिटेल महंगाई जुलाई 2019 के बाद निचले स्तर पर है। पिछली बैठक में आरबीआई गवर्नर ने भी संकेत दिए थे कि महंगाई काबू में रहती है तो दरें और घट सकती हैं। इससे रियल एस्टेट और ऑटो सेक्टर को बूस्ट मिलेगा।

रेपो रेट क्या है, इससे लोन कैसे सस्ता होता है?

RBI जिस ब्याज दर पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। रेपो रेट कम होने से बैंक को कम ब्याज पर लोन मिलेगा। बैंकों के लोन सस्ता मिलता है, तो वो अकसर इसका फायदा ग्राहकों को पास कर देते हैं। यानी, बैंक भी अपनी ब्याज दरें घटा देते हैं।

रेपो रेट घटने के बाद बैंक भी हाउसिंग और ऑटो जैसे लोन्स पर अपनी ब्याज दरें कम कर सकते हैं। आपके सभी लोन सस्ते हो सकते हैं और EMI भी घटेगी। ब्याज दरें कम होंगी तो हाउसिंग डिमांड बढ़ेगी। ज्यादा लोग रियल एस्टेट में निवेश कर सकेंगे। किसी भी सेंट्रल बैंक के पास पॉलिसी रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है, तो सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है।

सोनाक्षी @38, मोटी कहकर फिल्म से निकाली गईं

अपनी एक्टिंग के दम पर लोगों के दिलों में अपनी एक अलग और खास जगह बना चुकी एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा को एक समय मोटापे की वजह से काफी आलोचना सहनी पड़ी थी। एक्टिंग में करियर शुरू करने से पहले सोनाक्षी ने कॉस्ट्यूम डिजाइनर के रूप में अपना करियर शुरू किया था। हालांकि, जब उन्होंने एक्टिंग में करियर बनाने की सोची तो ओवरवेट होने की वजह से कई बार परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसकी वजह से एक प्रोड्यूसर ने फिल्म में लीड रोल देने से मना कर दिया था। यहां तक कि रैंप वॉक के दौरान भी उनके मोटापे का मजाक उड़ाया गया। यह बात सोनाक्षी के दिल को लग गई और उन्होंने अपनी विल पावर, वर्कआउट रूटीन और परफेक्ट डाइट प्लान से 30 किलो वजन कम करके सलमान की फिल्म 'दबंग' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। सोनाक्षी सिन्हा ने आर्य विद्या मंदिर से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की। उसके बाद बाद उन्होंने श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरसी महिला विश्वविद्यालय (एसएनडीटी) मुंबई से फैशन डिजाइनिंग में ग्रेजुएशन किया। सोनाक्षी ने 2005 में फिल्म 'मेरा दिल लेके देखो' से बतौर कॉस्ट्यूम डिजाइनर अपना करियर शुरू किया था। इस फिल्म की प्रोड्यूसर सोनाक्षी की मां पूनम सिन्हा थीं। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ, अर्चना पूरन सिंह, कोयल पुरी और करन कपूर जैसे सितारों ने काम किया था। इस फिल्म के बाद सोनाक्षी ने लंबे समय तक डिजाइनर के तौर पर काम किया। 2008-09 में लैक्मे फैशन वीक में रैंप पर भी वॉक किया। सेलिब्रिटी मॉडल ने तंज कसते हुए कहा था- अब गाय भी रैंप वॉक करेगी नेहा धूपिया के पॉपुलर चैट शो BFFs with Vogue में सोनाक्षी सिन्हा ने रैंप वॉक के दौरान का एक किस्सा शेयर किया था। एक्ट्रेस ने कहा था- रैंप वॉक के दौरान एक सेलिब्रिटी मॉडल ने मेरी बॉडी का मजाक उड़ाया था।

रैंप पर मॉडल ने कहा- अब गाय भी वॉक करेगी? जहीर से पहले पांच लोगों को किया डेट

तलाक पर आलोचनाओं पर धनश्री वर्मा बोलीं

लोग सच्चाई से कोसों दूर हैं, किसी को नीचा दिखाना मेरी फितरत नहीं है

धनश्री वर्मा को क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से तलाक के बाद सोशल मीडिया पर काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। अब इस मामले पर पहली बार रिएक्शन देते हुए धनश्री ने कहा कि वह झूठी बातों पर ध्यान नहीं देतीं। कहा कि वह इन सब बातों की बजाय अपने काम पर ध्यान देती हैं और लोगों के सामने खुद को अच्छे तरीके से पेश करने की कोशिश कर रही हैं। धनश्री वर्मा ने कहा, लोग सच्चाई से कोसों दूर हैं। मैं इन बातों पर सफाई नहीं देती क्योंकि मुझे अपनी परवरिश और संस्कारों पर पूरा भरोसा है। मैं हमेशा गरिमा और शालीनता बनाए रखने में विश्वास करती हूं। दूसरों को नीचा दिखाना कभी मेरा तरीका नहीं रहा और मेरा मानना है कि इससे किसी को जीवन में आगे बढ़ने में मदद नहीं मिलती। मैं अपने काम में ही लगी रहती हूं और मेरी नीयत हमेशा अच्छी रही है। आत्मविकास, खुद से प्यार करना और अनुशासन ही मेरी जिंदगी में सबसे जरूरी बातें रही हैं। मुझे भरोसा है कि एक दिन उनकी सच्चाई खुद सबके सामने आ जाएगी। जब धनश्री से पूछा गया कि क्या वह दोबारा प्यार को एक मौका देना चाहेंगी, तो धनश्री ने माना कि वह इस सोच के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन फिलहाल उनके लिए उनका करियर सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा, 'प्यार की बात करें तो ऐसी चीजें प्लान नहीं की जातीं और अगर नसीब में अच्छा लिखा है, तो क्यों नहीं कौन प्यार नहीं चाहता अपनी जिंदगी में? बता दें, चहल से तलाक के बाद धनश्री को काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। उन्हें इस रिश्ते के टूटने का जिम्मेदार ठहराया जाने लगा। वहीं, चहल का नाम इन दिनों आरजे महवश के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को कई बार साथ में भी स्पॉट किया गया है, जिसके बाद से ही उनके बीच अफेयर की खबरें सामने आने लगीं।

कमल हासन फिल्म 'ठग लाइफ' रिलीज कराने कर्नाटक हाईकोर्ट पहुंचे

राज्य में रिलीज पर रोक है, एक्टर ने कहा था- कन्नड़ भाषा तमिल से जन्मी

एक्टर कमल हासन ने कहा था- कन्नड़ भाषा का जन्म तमिल से हुआ है। इस बयान के बाद कर्नाटक सरकार ने उनकी अपकमिंग फिल्म ठग लाइफ की रिलीज पर रोक लगा दी थी। कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (KFCC) के इस फैसले के खिलाफ एक्टर ने कर्नाटक हाईकोर्ट में अपील की है। फिल्म 5 जून को देशभर में रिलीज होनी है।कमल हासन के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर ने याचिका में कोर्ट से कर्नाटक सरकार, पुलिस डिपार्टमेंट और फिल्म ट्रेड बॉडीज को फिल्म की रिलीज में बाधा न डालने का निर्देश देने की अपील की है। याचिका में पुलिस महानिदेशक और शहर के पुलिस आयुक्त को स्क्रीनिंग के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देने की भी मांग की गई है। 24 मई को आयोजित हुए फिल्म के ऑडियो लॉन्च इवेंट के दौरान कमल हासन ने कहा था कि कन्नड़ भाषा तमिल से ही जन्मी है। कन्नड़ भाषा पर दिया गया कमल हासन का बयान सामने आने के बाद पूरे कर्नाटक में उनका विरोध शुरू हो गया। कई जगह उनके पोस्टर जलाए गए और उनकी फिल्म की रिलीज रोके जाने की मांग होने लगी। भाषा विवाद के चलते 28 मई को कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (KFCC) ने कमल हासन की फिल्म 'ठग लाइफ' की रिलीज पर बैन लगा दिया। KFCC के अध्यक्ष एम नरसिम्हालु ने न्यूज एजेंसी PTI से कहा था कि अगर कमल हासन चाहते हैं कि उनकी फिल्म रिलीज हो तो उन्हें माफी मांगनी होगी।फिल्म चैंबर की चेतावनी मिलने के बाद कमल हासन ने चेन्नई स्थित DMK पार्टी के हैडक्वार्टर के बाहर मीडिया से कहा, ये लोकतंत्र है। मैं कानून और न्याय पर भरोसा करता हूं। कर्नाटक, आंध्रप्रदेश और केरल के लिए मेरा प्यार सच्चा है। कोई इस पर शक नहीं करना, सिर्फ उन लोगों के अलावा जो एजेंडा चलाते हैं। मुझे इससे पहले भी धमकाया गया है और अगर मैं गलत हूं तो माफी मांग लूंगा, लेकिन अगर गलत नहीं हूं तो माफी नहीं मांगूंगा।

हाउसफुल 5 के प्रमोशनल ईवेंट में बेकाबू हुई भीड़

अक्षय कुमार ने हाथ जोड़कर चिल्लाते हुए कहा- औरतें और बच्चे हैं धक्का-मुक्की मत करो

हाल ही में पुणे के मॉल में फिल्म हाउसफुल 5 का प्रमोशनल इवेंट रखा गया था, जहां फिल्म की स्टारकास्ट अक्षय कुमार, जैकलीन फर्नांडिस, नाना पाटेकर, नरगिस फाखरी समेत कई एक्टर्स पहुंचे। बॉलीवुड हस्तियों को देखने के लिए भीड़ इतनी बेकाबू हो गई कि अक्षय कुमार को धक्का-मुक्की पर काबू करने के लिए हाथ जोड़ने पड़ गए। प्रमोशनल इवेंट से कई वीडियोज सामने आए हैं, जिसमें देखा जा रहा है कि मंच के पास बढ़ने के लिए भीड़ ऐसी उतावली हो गई कि चीख-पुकार होने लगी। बच्चों, औरतों और बुजुर्गों को भीड़ में दबते देख अक्षय कुमार ने तुरंत मंच से हाथ जोड़ते हुए माइक पर कहा, हम लोगों को जाना पड़ेगा। धक्का मुक्की मत करो। हाथ जोड़कर विनती करता हूं, यहां औरतें हैं, बच्चे हैं। मैं सभी से अनुरोध करता हूं प्लीज। इसके बावजूद इवेंट से कई वीडियोज सामने आए हैं, जिनमें या तो बच्चे बैरिकेड्स से फंसे दर्द में कराहते नजर आए हैं या फिर एक बच्चा सिक्योरिटी टीम से ये कहता हुआ नजर आया कि उसके अंकल को सांस लेने की तकलीफ है और वो भीड़ में फंस गए हैं। लंबे संघर्ष के बाद स्टारकास्ट की सिक्योरिटी टीम ने हालात पर काबू पाया, जिसके बाद फिल्म की स्टारकास्ट ने स्टेज में जमकर मस्ती की।

1857 की क्रांति की मशाल जलाने वाले सतपुड़ा के पराक्रमी सपूत भभूत सिंह

के अमर बलिदान और शौर्य को समर्पित उनकी कर्मस्थली में

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद की बैठक

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

3 जून, 2025 । अपराह्न 2:00 बजे । राजभवन, पचमढ़ी

"पचमढ़ी नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध और प्रदेश का सर्वाधिक आकर्षक पहाड़ी पर्यटन स्थल होने के साथ अतीत में आदिवासी समाज के बलिदान की दृष्टि से एक प्रमुख स्थल रहा है। तात्या टोपे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर राजा भभूत सिंह ने आज़ादी की जंग में वीरता का प्रदर्शन किया। भभूत सिंह में शिवाजी महाराज की छवि दिखायी देती थी। उनके बलिदान को स्मरण करते हुए पचमढ़ी में मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद की बैठक का आयोजन राजा भभूत सिंह के गौरवशाली योगदान को जनमानस के समक्ष लाने का प्रयास है।"

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

जनजातीय संस्कृति के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध मध्यप्रदेश

- प्रदेश के 89 जनजातीय बहुल विकासखंडों में पेसा नियम लागू
- जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए धरती-आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से जनजातीय समुदाय के सामाजिक, आर्थिक उत्थान एवं मूलभूत सुविधाओं के विकास को मिल रही है गति
- जनजातीय बहुल दूरस्थ क्षेत्रों के 21 जिलों में पीएम जन-मन योजना अंतर्गत 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित
- मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना से सीधे जनजातीय ग्रामों तक पहुंच रहा राशन। स्थानीय जनजातीय युवाओं को मिल रहा रोज़गार
- विशेष पिछड़ी जनजाति युवाओं को सेना, अर्द्ध-सैनिक बलों और पुलिस सेवाओं में भर्ती के लिए प्रशिक्षण हेतु जनजातीय बटालियन का गठन
- तेंदूपत्ता संग्रहण का पारिश्रमिक ₹ 3000 से बढ़ाकर ₹ 4000 प्रति बोरा किया गया
- शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए 63 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, 82 आवासीय कन्या परिसर एवं 8 आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025 D11036/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक अरुण श्रीवास्तव, द्वारा भारतमत प्रेस, कालका 51, सत्यदेव नगर, गांधी रोड, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक-अरूण श्रीवास्तव, RNI No. 69560/97, फोन. 0751-4070801, 4071801, Fax 0751-4071801